संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 336
पृष्ठ 8
बुधवार
28 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ग्लोइंग त्वचा के लिए घर...

विचार- पुरानी नही अब सुनिश्चित...

खेल- महिला टी२० वर्ल्ड कप २०२४...

जन्माष्टमी के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी ने की गोसेवा

अपने हाथों से खिलाया गुड़ और केला

लखनऊ, एजेंसी। अनुशासन प्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व्यस्त दिनचर्या के बावजूद ईश्वर की आराधना और गोसेवा के लिये समय निकाल ही लेते हैं। सोमवार को बंशीधर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद योगी ने आज यानी मंगलवार की शुरुआत गोरखनाथ मंदिर में गोसेवा से की। सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने के बाद सीएम योगी ने आज सुबह मंदिर की गौशाला में गौ सेवा की। उन्होंने गोशाला का भ्रमण कर गोवंश का हाल जाना और उन्हें खूब दुलारकर अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। सोमवार देर रात तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी अनुष्ठान में व्यस्त रहने के बावजूद मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही।

उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गौशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गौशाला में योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते–मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ और केला खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर ने मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों पर भी खूब प्यार लुटाया। मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान ही मुख्यमंत्री की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया। सभी बच्चों से उनका नाम पूछा, कहां से आए हैं और किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे हंसी ठिठोली भी की। सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार और आशीर्वाद दिया कि खूब मन लगाकर पढ़ो और खूब आगे बढ़ो। विदा करते वक्त हमेशा की तरह उन्होंने बच्चों को चॉकलेट गिफ्ट किया।

कोलकाता में छात्रों का उग्र प्रदर्शन

- हावड़ा ब्रिज पर तोड़ दी लोहे की दीवार
- लाठीचार्ज के बाद छोड़े गए आंसू गैस के गोले

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में श्नबन्ना अभिजनश विरोध मार्च अराजक हो गया है क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ दिए और पुलिस पर पथराव किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और आरजी कर अस्पताल में एक डॉक्टर के कथित बलात्कार–हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को छात्र समाज की 'नबन्ना अभिजन' रैली में सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में युवाओं को हाथों में तिरंगे और बलात्कार मामले में कार्रवाई की मांग वाले बैनर लिए सचिवालय की ओर मार्च करते देखा गया। कोलकाता के दृश्यों से पता चला कि कई छात्रों ने उन्हें रोकने के लिए पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश की। छात्रों ने हावड़ा ब्रिज पर बनी श्लोहे की दीवारश भी तोड़ दी है। प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया है। साथ ही साथ पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और पश्चिम बंगाल पुलिस ने रैली के दौरान संभावित व्यवधान की आशंका व्यक्त की है, लेकिन, छात्र संगठन ने कहा कि उसकी रैली शांतिपूर्ण होगी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने रैली को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हैं। आज सुबह 8 बजे से ही कोलकाता पुलिस के 6,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। राज्य सचिवालय के पास 20 से अधिक बिंदुओं पर लोहे और एल्यूमीनियम के बैरिकेड लगाए गए हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के लिए संरचनाओं पर चढ़ने और पार करने के लिए फिसलन पैदा करने के लिए बैरिकेड्स पर तेल भी लगाया है। प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और रोबोकॉप का इस्तेमाल किया जा रहा है। पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले भी तैयार रखे गए हैं. दंगा रोधी वज्र वाहन भी तैयार हैं। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि ममता बनर्जी दीदी नहीं बल्कि ईदी अमीन की तरह व्यवहार कर रही हैं।

पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर की बात, यूक्रेन यात्रा के अनुभव बताए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और यूक्रेन की अपनी हालिया यात्रा से प्राप्त अनुभवों को साझा किया। साथ ही रूस के यूक्रेन के साथ संघर्ष के शीघ्र, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''रूस–यूक्रेन संघर्ष पर विचारों का आदान–प्रदान किया तथा यूक्रेन की अपनी हालिया यात्रा से प्राप्त अनुभवों को साझा किया। संघर्ष के शीघ्र, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।'' मोदी ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को अपनी यूक्रेन यात्रा के बारे में जानकारी दी थी तथा बातचीत और कूटनीति के जरिए क्षेत्र में जल्द शांति बहाल करने के लिए भारत का पूरा समर्थन जताया था। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को गले लगाकर यूक्रेनवासियों को नाराज कर दिया था। जेलेंस्की ने पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात को गलत संदेश बताया था। जिसके बाद पीएम मोदी ने बीते शुक्रवार को कीव का दौरा किया। यूक्रेन दौरे में मोदी ने वॉर जोन का भी दौरा किया। मोदी ने राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से कहा कि ''युद्ध के मैदान पर किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता।''

नए आपराधिक कानूनों पर आनंद स्वरूप गुप्ता स्मृति व्याख्यान देंगे शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को यहां पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के 54वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और 'नए आपराधिक कानून – नागरिक केन्द्रित सुधार' विषय पर डॉ. आनंदस्वरूप गुप्ता स्मृति व्याख्यान देंगे। गृह मंत्री वर्ष 2023 और 2024 के विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक विजेताओं को सम्मानित भी करेंगे। गृह मंत्री ब्यूरो के प्रकाशन 'इंडियन पुलिस जर्नल' के नए आपराधिक कानूनों पर विशेष संस्करण का विमोचन भी करेंगे। ब्यूरो देश के पुलिस बलों को आवश्यक बौद्धिक, भौतिक और संगठनात्मक संसाधनों से लैस कर पुलिसिंग और आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए उन्हें चुस्त दुरुस्त बल बनाने के प्रति कटिबद्ध है। वर्ष 1970 में स्थापना के बाद से ब्यूरो अनुसंधान एवं विकास में पुलिसिंग में उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए भारतीय पुलिस के थिंक टैंक के रूप में कार्य कर रहा है। इस संस्थान का केन्द्रबिन्दु पुलिस एवं सुधारात्मक सेवाओं के लिए नीतियां और कार्य प्रणालियां विकसित करना, नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकियों की खोज करना, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के क्षमता निर्माण और राज्यों तथा केन्द्रीय पुलिस संगठनों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देना है। स्थापना समारोह में केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक, केन्द्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों के साथ–साथ गृह मंत्रालय एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

चुनाव लड़ने के लिए पैसे कहां से लाएंगे प्रशांत किशोर?

अपनी रणनीति का पीके ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर ने मंगलवार को ''विकेंद्रीकृत दान'' की प्रणाली के माध्यम से जन सुराज के लिए कम से कम 200 करोड़ रुपये जुटाने का विश्वास जताया, जो दो महीने से भी कम समय में एक राजनीतिक पार्टी बन जाएगी। आईपीएसी के संस्थापक, जो बिहार में राजनीतिक परिदृश्य में तूफान लाने की कोशिश में हैं। पत्रकारों के सवालों के जवाब में अपनी रणनीति का उन्होंने खुलासा किया। प्रशांत किशोर से सवाल किया गया था कि नई पार्टी के लिए वह संसाधन कैसे जुटाएंगे? उन्होंने कहा कि फंडिंग एक ऐसा सवाल है जो लंबे समय से लोगों के दिमाग में घूम रहा है। बेशक, स्थापित राजनीतिक दलों के विपरीत, हम अवैध शराब व्यापार और रेत खनन में शामिल माफिया से उदार दान पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। इसलिए हम विकेंद्रीकृत दान की प्रणाली अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि जन सुराज राज्य भर के 2 करोड़ लोगों में से प्रत्येक से 100 रुपये की छोटी राशि का दान मांगेगा और विश्वास जताया कि वे आसानी से दान देंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों से 100 रुपये चंदा देने के लिए कहेंगे ताकि जब जन सुराज अगली सरकार बनाए तो भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जाए और राशन कार्ड बनवाने और जमीन का म्यूटेशन कराने जैसी सेवाओं के लिए रिश्वत देना अतीत की बात हो जाए। उन्होंने चुनाव लड़ने के इरादे से जन सुराज में शामिल होने वालों को यह भी आश्वासन दिया, ''उन्हें धन की चिंता नहीं करनी चाहिए, भले ही प्रतिद्वंद्वी अपार संसाधनों वाला व्यक्ति ही क्यों न हो।''

बीजेपी ने बुधवार को 12 घंटे बंगाल बंद का किया ऐलान, राष्ट्रपति शासन की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता रेप और हत्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कल (बुधवार को) 12 घंटे के लिए पश्चिम बंगाल बंद का ऐलान किया है राज्य भाजपा प्रमुख सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को नबन्ना अभियान रैली के दौरान हुई हिंसा के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार को जिम्मेदार ठहराया और राज्य में विरोध प्रदर्शन पर उनके इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है।

राष्ट्रपति शासन की मांग करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दिन में छात्रों द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या में शामिल लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए, भाजपा ने मंगलवार को उन्हें "तानाशाह" कहा और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उनके इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने यह भी मांग की है कि सीबीआई बनर्जी और पुलिस आयुक्त विनीत गोयल का पॉलीग्राफ टेस्ट कराए, जिन पर पार्टी ने आरोप लगाया था कि शुरू में उन्होंने कहा था कि पीड़िता की मौत आत्महत्या से हुई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और आरजी कर अस्पताल में एक डॉक्टर के बलात्कार–हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार दोपहर को सैकड़ों जुलूसियों, मुख्य रूप से युवाओं ने शहर भर में दो स्थानों से श्नबन्ना अभिजनश शुरू किया। रैली करने वालों ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए सीएम को जिम्मेदार ठहराया, उनका तर्क है कि इसके कारण आरजी कर त्रासदी हुई, जिससे देशव्यापी आक्रोश फैल गया। छात्र मंच श्छत्रसमाजश और राज्य सरकार के कर्मचारियों के श्संग्रामी जौथा मंचश द्वारा आयोजित रैली दो स्थानों – उत्तरी कोलकाता में कॉलेज स्क्वायर और हावड़ा में संतरागाछी से शुरू हुई।

अरविंद केजरीवाल को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किए जाने के बाद राउज़ एवेन्यू अदालत ने केजरीवाल की हिरासत बढ़ा दी। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसोदिया के बाद अब के कविता को भी जमानत मिल गई है।

मोदी से मिले विजयन, विशेष राहत पैकेज की मांग की

नयी दिल्ली, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि श्री विजयन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की है। श्री विजयन सोमवार शाम राजधानी दिल्ली पहुंचे थे। दोनों नेताओं की भेंट के दौरान क्या बातचीत हुई इस बारे में आधिकारिक तौर पर अभी कुछ नहीं कहा गया है लेकिन सूत्रों का कहना है कि श्री विजयन ने राज्य के वायनाड जिले में पिछले महीने भूस्खलन के कारण हुई जानमाल की हानि की भरपाई के लिए राज्य को विशेष राहत पैकेज देने की मांग की है। केरल सरकार ने भूस्खलन के कारण करीब दो हजार करोड़ रूपये के नुकसान का आकलन किया है। केरल सरकार ने वायनाड में स्थिति सामान्य बनाने के लिए पहले 900 करोड़ रूपये के शुरूआती पैकेज की मांग की थी।

बीजेपी ने जारी की 29 उम्मीदवारों की तीसरी सूची, देविंदर सिंह राणा नगरोटा से चुनाव लड़ेंगे

जम्मू, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 19 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी की। सूची में दूसरे चरण के चुनाव के लिए 10 और तीसरे चरण के लिए 19 उम्मीदवार शामिल हैं। जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 18 सितंबर को मतदान होगा जबकि दूसरे चरण के तहत 25 सितंबर और तीसरा चरण के तहत एक अक्टूबर को वोट डाले जाएगें। मतों की गिनती चार अक्टूबर को होगी। नेशनल कांफ्रेंस (नेका) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में गंदेरबल विधानसभा क्षेत्र से अपनी किस्मत आजमाएंगे। पार्टी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह पूर्व मुख्यमंत्री के लिए यू–टर्न है, उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ने की कसम खाई थी। नेका ने पार्टी के 32 उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें गंदेरबल विधानसभा सीट के लिए उमर अब्दुल्ला का नाम भी शामिल है।

प्रयागराज में जन्म के 3 घंटे बाद बच्ची को फेंका

जन्माष्टमी के दिन झाड़ियों में रोती मिली, शेल्टर होम में जी रही जिंदगी

प्रयागराज। जन्माष्टमी के दिन बेटे–बेटियों के पैदा होने पर उन्हें भगवान का रूप मान खुशी मनाने की कई खबरें आईं। इसी बीच प्रयागराज में इंसानियत को शर्मसार करते हुए मां ने बच्ची को कूड़े के ढेर के पास फेंक दिया। जन्म के करीब 3 घंटे बाद ही झाड़ियों में बदनसीब बच्ची फेंकी गई। उसके रोने की आवाज सुनकर राहगीर ने पुलिस बुलाई।

फूलपुर पुलिस ने नवजात बच्ची को हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टर ने चेकअप के बाद बच्ची को स्वस्थ बताया। अब बच्ची चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की देखरेख में है। उसे गोद लेने के लिए कई लोग आगे आए हैं।

दुपट्टे मे लपेटकर बच्ची को फेंका

फूलपुर के चतुर्भुजपुर बरईतारा के रहने वाले सूरज पटेल सोमवार को रास्ते से गुजर रहे थे। उन्हें सरकारी ट्यूबवेल के पास झाड़ियों में बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। वह रुके और आसपास देखा। कूड़े के ढेर के पास झाड़ियों के बीच एक बच्ची पड़ी थी। दुपट्ट्टे में लिपटी बच्ची रो रही थी।

गोद लेने की इच्छा जता रहे कई लोग

सूरज पटेल ने इसकी सूचना 112 नंबर पर पुलिस को दी। पीआरवी और फूलपुर थाने से पुलिस टीम पहुंची। फिर एंबुलेंस बुलाई गई। सीएचसी फूलपुर में बच्ची को डॉक्टर ने देखा। बच्ची कौन है? उसे वहां लाकर किसने फेंका? इसका जवाब किसी के पास नहीं है। नवजात बच्ची के कूड़े में मिलने की चर्चा आसपास के गांवों में खूब रही है।

बरईतारा के रहने वाले सुनील और उनकी पत्नी समेत कई परिवार बच्ची को गोद लेने की इच्छा जता रहे हैं। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने बताया कि बरईतारा गांव निवासी दंपती भी चाइल्ड केयर सेंटर बच्ची के साथ गए हैं। आगे की कार्रवाई चाइल्ड केयर सेंटर के अधिकारी करेंगे।

बच्ची काफी भूखी थी

सीएचसी के डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची को जन्म के करीब 3 घंटे बाद ही फेंका गया है। बच्ची काफी भूखी थी। उसे दूध पिलाया गया। अब चाइल्ड वेलफेयर कमेटी बच्ची की अच्छी देखभाल कर रही है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि बच्ची की सेहत में कुछ भी बदलाव हो तो तुरंत हॉस्पिटल लाया जाए।

चार दिन पहले शुक्रवार की शाम बरेली में भी बच्ची को फेंका गया था। कैंट क्षेत्र के ठिरिया निजावत खां में मनपुरिया रोड किनारे पोटली में बांधकर कब्रिस्तान के पास बच्ची को फेंका गया था। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर एक व्यक्ति ने उठाकर निसंतान दंपती को सौंप दिया, लेकिन किसी ने चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना दे दी। हेल्पलाइन के सुपरवाइजर ने बच्ची को दंपती से लेकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची के ब्लड में इन्फेक्शन है।

कब्रिस्तान के पास मिली बच्ची की उम्र 2 दिन

ठिरिया निजावत खां निवासी कौसर अली ने बताया– शुक्रवार शाम करीब 6 बजे वह कब्रिस्तान के पास से गुजर रहे थे। वहां रोड पर झाड़ियों के बीच में बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। देखा तो एकग पोटली में बच्ची बंधी रो रही थी। उन्होंने अपने गमछे में बच्ची को उठाया और ठिरिया वार्ड–7 में रहने वाले मैसर अली और उनकी पत्नी निशा को सौंप दिया। इसी बीच शनिवार को किसी ने चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना दे दी। शनिवार देर रात चाइल्ड हेल्पलाइन की सुपरवाइजर मेघना शर्मा, रवि गंगवार ने थाने पहुंचकर बच्ची को मंगा लिया। इसके बाद बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची की उम्र अभी दो दिन है। उसके खून में इंफेक्शन है।

करीब 10 महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने देश में बच्चा गोद लेने की लंबी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि कोई भी युवा कपल बच्चा गोद लेने के लिए 3–4 साल का इंतजार नहीं कर सकता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने भारत में अनाथ बच्चों की संख्या पर चिंता जताई। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस पूरी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कहा है।

दरअसल, देश में लाखों की संख्या में अनाथ बच्चे हैं और चिंता की बात यह है कि ऐसे बच्चों को गोद लेने के इच्छुक मां–बाप और सिंगल मदर–फादर की संख्या भी लाखों में है। मगर समस्या देश में कानूनी तौर पर गोद लेने की तीन चार चलती लंबी प्रक्रिया है। जानिए देश में बच्चा गोद लेने की पूरी प्रक्रिया क्या है और भारतीय बच्चे को कौन गोद ले सकते हैं?

इरफान सोलंकी मामले में 18 सितंबर को होगी सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई टली, 7 साल की सजा के खिलाफ की थी अपील

प्रयागराज। सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की अपील पर आज मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई। कोर्ट में मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। अब 18 सितंबर को सुनवाई होगी। इरफान सोलंकी ने महिला का घर जलाने के मामले में मिली 7 साल की सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की है।

जमानत पर रिहा करने की थी मांग

अंतिम फैसला आने तक सजा पर रोक लगाए जाने और जमानत पर रिहा किए जाने की मांग भी की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव मिश्रा की सिंगल बेंच ने सुनवाई कर रही है। 18 सितंबर को कोर्ट इस मामले को सुनेगी।

इरफान सोलंकी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में लगातार सुनवाई चल रही है। इससे पहले की सुनवाई में इरफान सोलंकी के वकीलों ने अपना पक्ष रखा था। कोर्ट ने दो हफ्ते में यूपी सरकार से जवाब मांगा था। यूपी सरकार इस मामले में जवाब दाखिल कर चुकी है। कोर्ट में अब दोनों पक्ष अपनी अपनी दलीलें पेश करेंगे।

MP-MLA कोर्ट ने 7 साल की सुनाई सजा

कानपुर की सीसामऊ विधानसभा से सपा के निवर्तमान विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी को डच–डस। कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई है। सजा रद्द करने के लिए इन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। इरफान सोलंकी इस समय महाराजगंज जेल में बंद है।

चली गई थी विधानसभा सदस्यता

इरफान सोलंकी के वकील उपेंद्र उपाध्याय के मुताबिक, सजा के कारण विधायक इरफान सोलंकी की विधानसभा सदस्यता चली गई है। यदि सजा पर रोक की राहत मिलती है तो विधायकी वापस हो सकती है। कानपुर की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने 7 जून 2024 को सपा विधायक इरफान सोलंकी समेत पांच लोगों को 7 साल की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है।

जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में नजीर फातिमा नाम की एक महिला का घर जलाए जाने के मामले में दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई गई है। सोलंकी सीसामऊ सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। सजा के बाद विधायकी छिनद गई है।इरफान सोलंकी अभी महाराजगंज जेल में बंद है। समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी, शौकत पहलवान, इसराइल आटे वाला और मोहम्मद शरीफ को एमपीएमएल कोर्ट ने 7 साल की सजा के साथ 30 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया था। नजीर फातिमा नाम की महिला ने 8 नवंबर 2022 को जाजमऊ थाने में घर कब्जा करने की मंशा से आगजनी करने का मामला दर्ज कराया था।

प्रयागराज के 304 परिषदीय विद्यालयों का खत्म होगा अस्तित्व

50 से कम छात्र–छात्राएं होने वाले विद्यालयों की सूची तैयार, पास के स्कूलों में होगा समायोजन

प्रयागराज। जनपद के ऐसे परिषदीय विद्यालय जहां पर छात्र–छात्राओं की संख्या 50 से कम है उनका अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। ऐसे 304 विद्यालयों की सूची तैयार की गई है, जिसमें छात्र–छात्राओं की संख्या 50 से कम है। इसमें कक्षा 6 से आठवीं तक 78 विद्यालय हैं जबकि 226 प्राथमिक विद्यालय भी शामिल हैं।

शासन के निर्देश पर इन विद्यालयों को नजदीक के विद्यालयों में ही समायोजित कर दिया जाएगा। इन विद्यालयों की सूची शासन स्तर पर भी भेजी जा चुकी है। ठै। (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी) प्रवीण तिवारी का कहना है कि सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से पूरा ब्यौरा मांगा जा रहा है।

जनपद में 2853 परिषदीय स्कूलों का संचालन

जनपद में इस समय बेसिक स्कूलों की संख्या 2853 है। इसमें 394 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 606 कंपोजिट विद्यालय, 1853 प्राथमिक विद्यालय हैं। इसी तरह 44 पीएम श्री विद्यालय,13 अभ्युदय विद्यालय व 20 कस्तूरबा विद्यालय शामिल हैं। मौजूदा सत्र में इन स्कूलों में करीब 4 लाख छात्र–छात्राओं का रजिस्ट्रेशन हुआ है। दरअसल, शासन स्तर पर जो मानक हैं उसमें 30 बच्चों पर एक अध्यापक, 45 बच्चों पर 2 अध्यापक, 60 बच्चों पर 3 अध्यापक, 75 बच्चों पर 4 व 90 बच्चों की संख्या पर 5 शिक्षकों की तैनाती होनी चाहिए।

प्रयागराज में छात्र के सुसाइड का मामला

प्रधानाध्यापक निलंबित, आरोप- काफी दिनों से कर रहे थे प्रताड़ित

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय जलालपुर में 8वीं के छात्र ने सुसाइड कर लिया था। मामले में बेसिक शिक्षाधिकारी ने आरोपी प्रधानाध्यापक के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। परिजनों का आरोप है कि प्रधानाध्यापक उसे प्रताड़ित करते थे।

टीसी बनाकर घर भेज दिया था, जिससे आहत होकर छात्र ने आत्मघाती कदम उठाया था। प्रधानाध्यापक के खिलाफ सरायममरेज थाने में रिपोर्ट भी दर्ज की गई है। सरायममरेज थाना क्षेत्र के हरीपुर पट्टी गांव के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार मुंबई में रहकर कमाई करते हैं। घर पर पत्नी बच्चों के साथ रहती है। उनका बेटा हार्दिक विश्वकर्मा (13) जलालपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में 8वीं कक्षा का छात्र था। धर्मेंद्र का आरोप है कि काफी दिनों से प्रधानाध्यापक हार्दिक को किसी न किसी बात को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे। सप्ताह भर पहले प्रधानाध्यापक ने 7वीं कक्षा की उसकी टीसी बनाकर कुछ बच्चों से उसके घर भिजवा दिया।

टीसी में हार्दिक ने देखा तो उसकी जन्मतिथि गलत दर्ज की गई थी। जिससे वह परेशान हो उठा और कमरे में जाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुट गई। उधर, मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएसए प्रयागराज ने खंड शिक्षाधिकारी से जांच कराई और आरोपी इंचार्ज प्रधानाध्यापक अनिल कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुरधाम धाम में सजा कान्हा का झूला

झुलाने पहुंच रहे लोग, श्रृंग्वेरपुर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कराए कई आयोजन

प्रयागराज। प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुरधाम के श्रीराम विश्राम आश्रम मे श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीकृष्ण जन्म के बाद मंगलवार को कान्हा का झूला सजाया गया। कान्हा को भक्त झूला झुलाने पहुंच रहे हैं। श्री तुलसी साहित्य प्रचार समिति एवं श्रृंग्वेरपुर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्वाधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर श्रृंग्वेरपुरधाम में कई आयोजन हुए हैं।

श्रीराम विश्राम आश्रम में कान्हा की झांकी सजी है। श्री कृष्ण के बाल स्वरुप का पूजन विधि विधान के साथ किया गया। झांकी को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटती रही। सैकड़ो श्रद्धालु श्रीराम विश्राम आश्रम पहुंचकर झांकी की तस्वीर भी कैद करते रहे हैं। जूना अखाडा महामंडलेश्वर रचना देवी ने कहा की श्रृंग्वेरपुरधाम प्रभु श्री राम की कर्म भूमि है।

धर्म की रक्षा के लिए प्रभु अवतार लेते हैं

इस पवित्र धरा मे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का अपना विशेष महत्व है। इसके पूर्व श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा का रसपान श्रृंग्वेरपुरधाम पीठाधीश्वर महंत रामप्रसाद दास शास्त्री महाराज ने कराया। महंत रामप्रसाद दास शास्त्री महाराज ने बताया कि धर्म की रक्षा के लिए प्रभु अवतार लेते है। जन्माष्टमी का दिन हर युग की कथाओ से ज्यादा महत्वपूर्ण है। प्रभु का अवतार लेना समाज मे बदलाव की दिशा दिखाता है। इसके साथ बताया कि जब जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ता है, तब–तब प्रभु का अवतार होता है। कार्यक्रम का संचालन श्रृंग्वेरपुर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी ने करते हुए भक्तजनो का आभार व्यक्त किया। कंकाल काली के महंत मानस बाबा ने सभी श्रद्धालुओं को आशीष प्रदान किया।वही श्रीधर महाराज ने विधि विधान से पूजन पाठ कराया। इस दौरान क्षेत्रीय लोग, महिलाए एवं बच्चे उपस्थित रहे। इस अवसर पर कंकाल काली के पीठाधीश्वर महंत मानस बाबा,महामंत्री सुरेन्द्र पुष्पकार,मुन्ना सोनी कोषाध्यक्ष पप्पू त्रिपाठी, समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज में छेड़खानी के विरोध पर मारपीट

आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीटा, 5 की हालत नाजुक

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में छेड़खानी का विरोध करने पर दो पक्ष भिड़ गए। इस दौरान चले लाठी–डंडे में 5 लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर में भर्ती कराया गया। जहां तीन घायलों को रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के सरायहरीराम गांव के रहने वाले सेवालाल भारतीया का आरोप है कि विपक्षी उनकी पुत्री पर कमेंट कर रहे थे। आरोप है कि विरोध करने पर विपक्षी उनके घर पर चढ़ आए।

इस दौरान दोनों पक्षों में चले लाठी–डंडे में कुल पांच लोग घायल हो गए। इस घटना में सेवालाल व उनकी पत्नी को गंभीर चोटें आईं। वहीं, विपक्ष के अफरोज अहमद व अफसाना भी घायल हो गए। मामला दो समुदाय के बीच का होने की वजह से गांव में हड़कंप मच गया।

सूचना पर फूलपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर में भर्ती कराया। जहां गंभीरावस्था में तीन घायलों को शहर रेफर कर दिया।

मामले में सेवालाल की तहरीर पर विपक्षी मो. अफरोज, मो. आलम व सलमान के खिलाफ एससीएसटी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर तीनों अभियुक्तों को हिरासत में लेकर पुलिस ने जेल भेज दिया।

जज को रिटायर्ड कहने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा–उनके नाम के आगे मिस्टर, जस्टिस शब्द का प्रयोग हो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस रहने वालों के लिए रिटायर्ड शब्द का प्रयोग करने पर सख्त नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा रिटायर्ड शब्द का प्रयोग करना प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश के नाम के आगे रिटायर्ड शब्द का प्रयोग ना किया जाए। ऐसी अपेक्षा नहीं की जाती है कि रिटायर्ड जज के नाम के आगे रिटायर्ड शब्द का प्रयोग किया जाए क्योंकि हाईकोर्ट के जज के सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनके नाम के आगे मिस्टर जस्टिस शब्द का प्रयोग किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि रिटायर्ड शब्द का प्रयोग करना प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। सेवा संबंधी मामले में लवकुश तिवारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने कहा कि रिटायर्ड शब्द प्रत्यय के रूप में प्रयोग होना चाहिए । यह एक भ्रम है जिस पर सरकार को विचार करना चाहिए। मामले में अपर मुख्य सचिव गृह ने हलफनामा दाखिल किया जिसमें एक हाईकोर्ट के सेवानिवृत्ति जज के नाम का उल्लेख दोषपूर्ण तरीके से किया गया। इस पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह बेहद पीड़ादायक है कि एक जज के नाम के प्रयोग में प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया। कोर्ट ने निबंधक प्रोटोकॉल को निर्देश दिया है कि इस बारे में एक रिपोर्ट दाखिल करें और यदि प्रोटोकॉल से संबंधित कोई गाइडलाइन है तो वह भी अदालत के समक्ष दाखिल की जाए।

यूपी पुलिस फुटबाल प्रतियोगिता में प्रयागराज विजयी

प्रयागराज की टीम को पहला स्थान, ट्राफी के साथ लौटने पर स्वागत

प्रयागराज। 72वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक फुटबाल प्रतियोगिता में प्रयागराज जोन पुलिस की फुटबॉल टीम ने बाजी मारी है। 18 अगस्त से 22 अगस्त तक चली प्रतियोगिता 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में पहला स्थान जीतकर प्रयागराज पुलिस टीम ने पुरुष वर्ग में ट्रॉफी अपने नाम कर ली। प्रयागराज पुलिस टीम के परचम लहराने पर पुलिस अधिकारियों ने बधाई दी है। ट्राफी के साथ लौटी टीम का प्रयागराज में स्वागत हुआ। एडीजी जोन भानु भास्कर ने जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें मुबारकबाद दी। एसीपी पुष्कर वर्मा के नेतृत्व में टीम ने ट्रॉफी पर कब्जा किया है।

गंगानाथ झा परिसर में सम्पन्न हुआ "काव्यचन्द्रिका" ग्रन्थ का लोकार्पण

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. हरिदत्त शर्मा के संस्कृतकाव्य ग्रन्थ "काव्यचन्द्रिका" का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रयागराज के संस्कृत जगत के ख्यातिलब्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविदों ने भाग ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। अतिथियों का स्वागत परिसर के साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि' किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत के ख्यातिलब्ध साहित्यकार एवं कवि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मश्री आचार्य अभिराजराजेन्द्र मिश्र एवं सारस्वतातिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरिदत्त शर्मा रहे। प्रो. हरिदत्त शर्मा ने इस अवसर पर अपने काव्यग्रंथ की रचना से सम्बन्धित विभिन्न संस्मरणों का वर्णन करते हुए अपने काव्यग्रंथ "काव्यचन्द्रिका" की रचना में अपनी फ्रांस यात्रा को आधार बताया। ग्रन्थ की रचना से सम्बन्धित यात्रा का सजीव वर्णन किया। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, डा. रामकिशोर झा एवं प्रो. हरिदत्त शर्मा तथा प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के द्वारा सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र ने पुस्तक लोकार्पण की परम्परा को अति प्राचीन बताते हुए संस्कृत के प्रथम लोकार्पण का वर्णन करते हुए आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के प्रथम तीन अध्यायों को लोकार्पण की विस्तृत व्याख्या करने वाला बताया। पुस्तक के लोकार्पण के साथ आदि एवं वैदिक परम्परा को स्मरण करते हुए उन्होंने जीवन का आधार भाव एवं भक्ति को बताया। उन्होंने पुस्तक के सम्पादन में प्रो. हरिदत्त शर्मा के जुड़ने को विशिष्ट घटना बताते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित वक्तव्य में "जो ऋषि नहीं वो कवि नहीं" के द्वारा प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र को ऋषि सदृश बताया। संस्कृत की प्राचीन परम्परा एवं समृद्धता के लिए परिसर में लिपि प्रशिक्षण के कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने हस्तलेखों एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को शोध हेतु प्रोत्साहित करने की व्याख्या की। धन्यवाद ज्ञापन एवं कार्यक्रम का संचालन डा. धीरज कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र, श्रीमती शुभश्री दास तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

बादल वहां भी छाए होंगे

घनघोर घटाएं आई होंगी।
चारों दिशाओं में छाई होंगी।
पुरवा जोर चली होंगी।
दिन में साम ढ़ली होंगी।
सारंग मिल सारंगी बजाए होंगे
बादल वहां भी छाए होंगे।
रात भर मेघ बरसे होंगे।
खग कृषक तरू सब हरषे होंगे।
पीछे नदी उफनाई होगी।
बांस – करील ऊपर आई होंगी।
मरझाए पौधे भी नया जीवन पाए होंगे
बादल वहां भी छाए रहे।
धान खेत हरे होंगे।
हल्दी ने रंग भरे होंगे।
मक्के का तन फूला होगा।
वृक्षों पे लताओं का हार झूला होगा।
बाजरे के खेत अंखुआए होंगे
बादल वहां भी छाए होंगे।
गांव से मैं दूर हूं।
बस जरा सा मजबूर हूं।
पर गांव मेरे पास है।
बस वक्त की तलाश है।
बाकी सब तो आए होंगे
बादल वहां भी छाए होंगे।

प्रभंजन त्रिपाठी
सिकंदरा प्रयागराज

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मिशन शक्ति अभियान

प्रयागराज। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के दृष्टिगत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित "मिशन शक्ति अभियान" में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन संस्थान के डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को उनके सामर्थ्य की याद दिलाना भी है। नारी शक्ति के बिना सृजन और अग्रगामी समाज निर्माण का रास्ता नहीं बन सकता। समस्याओं का समाधान युवा शक्ति के ही पास है। उन्होंने कहा कि यदि हम अर्जुन की तरह तीर साधें तो मरुस्थल से भी जल निकल सकता है। हमें यदि कुछ पाना है तो उसके लिए कुछ अर्पण करना भी सीखना चाहिए। अन्याय का प्रतिकार, सक्षम समाज का निर्माण हम सब युवकों का ही सामूहिक दायित्व है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्पूर्ण समाज की जिम्मेदारी है। उनका आत्म सम्मान सामूहिक सहयोग से ही बढ़ेगा।उनका स्वावलंबन भी सक्षम समाज के लिए जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुचि दुबे ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

ईश्वर शरण महाविद्यालय में पांच दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ

प्रयागराज। इश्वर शरण महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा IQAC के साथ संयुक्त रूप से डेटा मैनेजमेंट एवं एनालिसिस इन क्वांटिटेटिव रिसर्च विषय पर एक पांच दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया। कोर्स के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में सीएमपी महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार सिंह उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में प्रो.मान सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अनुसंधान में डेटा संग्रह एवं डेटा एनालिसिस के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही, डेटा मैनेजमेंट और एनालिसिस में तकनीकी के प्रयोग पर जोर दिया गया। इसी क्रम में महाविद्यालय की प्फ।ब्, कंवीनर प्रो. अनुजा सलूजा ने एम.एस. एक्सेल एवं एस.पी.एस.एस. जैसे सॉफ्टवेयर के शैक्षिक सन्दर्भों की चर्चा की। सर्टिफिकेट कोर्स के संयोजक डॉ. अविनाश पांडेय ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उसके पीछे के बैचारिकी के धरातल को स्पष्ट किया, साथ ही, 5 दिन के कोर्स के लिए आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की चर्चा की।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने एम.एस. एक्सेल के अनुप्रयोगों के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर अभ्यास सत्र सम्पन्न किया। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के सहायक आचार्य एवं कोर्स के सह –संयोजक डॉ. शैलेश कुमार यादव ने किया।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ. विकास कुमार, डॉ. विवेक यादव, डॉ. कृपा किन्जलकम, डॉ. विवेकानंद, डॉ. अरविंद मिश्रा आदि भी उपस्थित रहे।ष्

सीएमपी महाविद्यालय मैं संस्कृत सप्ताह समारोह हुआ आयोजित

प्रयागराज। संस्कृत विभाग, सीएमपी महाविद्यालय में चल रहे संस्कृत सप्ताह समारोह का आज दिनांक 27 अक्टूबर 2024 को समारोह कार्यक्रम हुआ जिसमें सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया और इसी प्रकार निरंतर संस्कृत के कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने तथा अधिकाधिक ज्ञानार्जन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर मनोज कुमार ने किया तथा अतिथि का स्वागत प्रो सुरेन्द्र पाल सिंह, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर विजय बहादुर ने किया। विभाग के डॉक्टर सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ दीप्ति विष्णु, डॉक्टर किरन वर्मा, डॉक्टर भानु प्रकाश त्रिपाठी सहित सभी शोध छात्र और प्रतिभागी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गंगाधर शुक्ल अध्यक्ष निर्वाचित

प्रयागराज। ग्रामोन्नति कारिणी शिक्षा समिति द्वारा संचालित चन्द्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज, परूबनार का चुनाव पर्यवेक्षक श्री लाल बाबू मौर्य (सह जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज) एवं चुनाव अधिकारी श्री बी. एस. यादव (प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज हड़िया, प्रयागराज) की देखरेख में राजकीय इंटर कॉलेज, प्रयागराज में सकुशल सम्पन्न हुआ। उक्त चुनाव में प्रबंध कार्यकारिणी समिति के सम्मानित सदस्यों ने गंगाधर शक्ला अध्यक्ष श्री गंगाधर शुक्ल, उपाध्यक्ष राम सखा शुक्ल, प्रबंधक श्री सुरेश बहादुर सिंह, उप प्रबंधक चन्द्रधर तिवारी, कोषाध्यक्ष श्री शिवमंगल मिश्र निर्वाचित हुए।

संजय सिंह और मौलाना खालिद की मुलाकात

वक्फ बिल को बताया संविधान विरोधी, बोले, जेपीसी कमेटी के सामने रखेंगे पक्ष

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ पहुंचे राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली से मुलाकात की। दोनों के बीच लगभग 1 घंटे वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर चर्चा हुई। दरअसल, वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 को लेकर जॉइंट पार्लियामेंट की कमेटी बनाई गई है, जिसमें सांसद संजय सिंह सदस्य हैं। संजय सिंह ने कहा संविधान में सभी धर्मों को अपने धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काम करने की आजादी है। भाजपा जो बिल लाने की बात कर रही है वो संविधान विरोधी है। इस बिल के संबंध में ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमिटी गठित की गई है। कमेटी का सदस्य होने के नाते मौलाना से मिलना हमारी जिम्मेदारी है। मौलाना खालिद रशीद समेत अन्य मुस्लिम धर्म गुरुओं से भी मुलाकात करके बिल में जो आपत्ति है, उसे समझने का प्रयास कर रहा हूं। आगामी 30 तारीख को कमेटी की बैठक है। तमाम धर्म गुरुओं द्वारा जो बातें सामने आ रही हैं वह कमेटी के समक्ष रखी जाएंगी। संजय सिंह ने कहा कि संशोधित बिल में यह कहा जा रहा है कि वक्फ संपत्ति से आय का माध्यम बनाएंगे, तो क्या जो मस्जिद में नमाज पढ़ने आएंगे वहां टिकट लगाया जाएगा। बिल में यह भी कहा गया है कि वक्फ में वही अपनी संपत्ति दान कर सकते हैं जो 5 वर्ष से प्रैक्टिसिंग मुस्लिम हो। अब सरकार यह बताए कि वह कैसे तय करेगी कि कौन प्रैक्टिसिंग मुस्लिम है कौन नहीं। प्रत्येक मुसलमान की रिपोर्ट कौन देगा। संशोधित बिल में महिलाओं को हिस्सेदारी देने की बात नहीं जा रही है। जबकि वक्फ में पहले से महिलाओं को सदस्य बनाया गया है। संशोधित बिल में बहुत से बिंदु हैं जो अनावश्यक हैं। सांसद संजय सिंह से मुलाकात के बाद मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा की संजय सिंह जेपीसी के सदस्य हैं। उनके सामने हमने अपनी आपत्तियों को रखा है। संजय सिंह को हमने एक मेमोरेंडम भी दिया है, जिसे वो जेपीसी कमेटी के सामने प्रस्तुत करेंगे। वक्फ बोर्ड में महिलाओं को शामिल करने की बात कही जा रही है। यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में पहले से ही 2 मुस्लिम महिला सदस्य है। संशोधित बिल में अन्य धर्म के लोगों को भी शामिल करने की बात कही जा रही है जो की सही नहीं है। वक्फ बोर्ड में अगर हिंदू या अन्य धर्म के लोग शामिल करने की बात कही जा रही है तो क्या मंदिर के ट्रस्ट या सिख कमेटी में मुस्लिम समुदाय या दूसरे धर्म के लोग शामिल किये जायेंगे। हमारी यह मांग है कि वक्फ बिल में कुछ भी ऐसा ना किया जाए जिससे आम मुसलमान को परेशानी हो।

गोरखपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

गोरखपुर। शहर समता विचार मंच गोरखपुर ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी सरिता सिंह एवं उमा उपाध्याय के संयोजन मे चित्रा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि दया शर्मा रहीं।

यह काव्य गोष्ठी 4 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही चित्रा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति उमा उपाध्याय द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रीति मिश्रा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में समस्त प्रतिभागी साहित्य अनुरागिनियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। जिसमें सरिता सिंह –रिमझिम बरसे सावन ,चित्रा श्रीवास्तव–जब जन्में कृष्ण कन्हाई ,प्रीति मिश्रा पृशाश–मुरली वाले आकर देखो ,उमा उपाध्याय– आज प्रात ही संदेश ,रेनू चतुर्वेदी–मुरली की धुन ,बृजकिशोरी त्रिपाठी–रतिया हुए नन्दलाला ,पूजा श्रीवास्तव –सोहर गाएं बधैया बाजे ,पूनम त्रिपाठी–भादो का महीना ,अनामिका शर्माश्अनुश –गोकुला में बाजे बधाई ,सलोनी त्रिपाठी–तुम बिन मोह लगाऊँ किससे, शशि किरण श्रीवास्तव,एक दिवस की बात है, प्रेम लता रसबिंदु ने, श्री कृष्ण मेरे कन्हैया,पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन चित्रा श्रीवास्तव ने किया।

नागरिक सुविधा दिवस में कमिश्नर–डीएम ने सुनी समस्याएं, अकबर नगर के लोगों को नहीं मिली एंट्री

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विकास प्राधिकरण कार्यालय में मंगलवार को नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब, जिलाधिकारी ने खुद फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में पहुंचे किसानों ने बताया कि करीब 3200 किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। प्राधिकरण ने कानपुर रोड पर जमीन अधिग्रहण कर लिया है, लेकिन मुआवजे की समस्या जस की तस बनी है। गोमती नगर और इंदिरा नगर में अवैध कब्जे की शिकायत भी नागरिकों ने की। बाढ़ पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि करीब 40 साल से उसके फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं हो पाई है। वहीं, अकबरनगर से आए फरियादियों को कार्यालय में एंट्री नहीं दी गई। इससे लोग नाराज दिखे। एलडीए के अलावा नगर निगम, जिला प्रशासन, बिजली निगम और जलकल विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। शहर में रहने वाले नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम करीब 2 बजे समाप्त हुआ। नागरिक सुरक्षा दिवस में अब तक 54 शिकायतें आई हैं। नगर निगम जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान जल निगम, लेसा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और लखनऊ विकास प्राधिकरण से जुड़ी शिकायतें लेकर लोग यहां पहुंचे। लखनऊ के रहने वाले सतीश गुप्ता ने बताया कि आवंटन के लिए वह पिछले तीन साल से प्राधिकरण के कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। अभी तक कोई सुनवाई नहीं की गई। इंदिरा नगर के चौतन्य अपनी समस्या को लेकर पहुंचे थे। इन्होंने बताया कि वहां पर पिछले 15 साल में अवैध होटल से लेकर अस्पताल तक बन गए हैं शिकायत के बाद भी पुलिस समस्या का समाधान नहीं करती है इंदिरा नगर के चौतन्य अपनी समस्या को लेकर पहुंचे। इन्होंने बताया कि वहां पर पिछले 15 साल में अवैध होटल से लेकर अस्पताल तक बन गए हैं। शिकायत के बाद भी पुलिस समस्या का समाधान नहीं करती है। नागरिक सुविधा दिवस में अकबरनगर के फरियादियों को अंदर भी नहीं जाने दिया गया। इसकी वजह से लोगों ने सवाल उठाया कि जब समस्या नहीं सुननी है, तो कैंप क्यों लगाया गया। लखनऊ के रहने वाले बृजमोहन कश्यप ने बताया कि 40 साल हो गए लेकिन रजिस्ट्री नहीं की गई। पैसा भी जमा करा लिया गया है, इसके बावजूद हम सिर्फ चक्कर लगा रहे हैं।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे स्वामित्व वाली विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव, दिन एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

1 गाड़ी सं. 04115/04116 सूबेदारगंज - लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष रेलगाड़ी

सूबेदारगंज से गाड़ी संख्या 04115, प्रत्येक गुरूवार, दिनांक : 26.09.2024 से 02.01.2025 तक, **लोकमान्य तिलक टर्मिनस से** गाड़ी संख्या 04116, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक : 27.09.2024 से 03.01.2025 तक

गाड़ी संरचना : एसएलआर - 01, एसएलआरडी - 01, सामान्य श्रेणी - 04, स्लीपर श्रेणी - 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी - 06

2 गाड़ी सं. 01922/01921 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी - पुणे (साप्ताहिक) सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से गाड़ी संख्या 01922, प्रत्येक बुधवार, दिनांक : 04.09.2024 से 01.01.2025 तक, **पुणे से** गाड़ी संख्या 01921, प्रत्येक गुरूवार, दिनांक : 05.09.2024 से 02.01.2025 तक

3 गाड़ी सं. 04151/04152 कानपुर सेंट्रल - लोकमान्य तिलक टर्मिनस (साप्ताहिक) सुपरफास्ट रेलगाड़ी

कानपुर सेंट्रल से गाड़ी संख्या 04151, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक : 27.09.2024 से 27.12.2024 तक, **लोकमान्य तिलक टर्मिनस से** गाड़ी संख्या 04152, प्रत्येक शनिवार, दिनांक : 28.09.2024 से 28.12.2024 तक

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1520/24(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

एरोन कंपोजिट लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

कम्पनी की पब्लिक इश्यू से 56.10 करोड़ रूपये जुटाने की योजना

लखनऊ, एजेंसी। फाइबर ग्लास रिइंफोर्स्ड पॉलिमर प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति में लगी कम्पनी एरोन कंपोजिट लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से 56.10 करोड़ रूपये तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू कल 28 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 अगस्त को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय में से 39 करोड़ रूपये का उपयोग गुजरात के महेसाणा में एक विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है। 56.10 करोड़ रूपये के आईपीओ में 10 रूपये अंकित मूल्य के 44.88 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। कंपनी ने पब्लिक इश्यू के लिए 121–125 रूपये प्रति इक्विटी शेयर के प्राइज बैंड को फिक्स किया है।

संक्षिप्त

मानसिक रूप से परेशान महिला ने दो साल की बच्ची को छत से फेंका

लखनऊ, एजेंसी। मोहनलालगंज कोतवाली अंतर्गत बगहनखेड़ा गांव में मानसिक रुप से परेशान महिला ने अपनी दो साल की बच्ची को छत से फेंक दिया। नीचे गिरने से बच्ची को गहरी चोट आई है। अस्पताल में वह गंभीर हालत में भर्ती है। जहां, उसका इलाज चल रहा है। हालांकि, महिला की करतूत घटनास्थल के समीप लगे एक सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दरअसल, सोमवार सुबह से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि एक महिला अपनी बच्ची को छत से नीचे लटका रही है। इस दौरान महिला ने बच्ची को सिर के बल छत से गिरा दिया। प्रथम दृष्या में महिला ने बच्ची को जान से मारने की नीयत से छत से गिराया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक राव ने बताया कि मामले को संज्ञान लेते हुए खुजौली चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह ने महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। महिला का नाम सविता बताया जा रहा है। उसने बेटी नीशू को छत ने नीचे फेंक दिया है। बच्ची के चाचा–चाची ने वीडियो दिखाया है।

खदरा–फैजुल्लागंज पहुंचे नगर आयुक्त, फॉगिंग के निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने मंगलवार सुबह सीतापुर रोड से लगी बस्ती का निरीक्षण किया। जोन–3 के तहत आने वाले खदरा और फैजुल्लागंज इलाकों में पहुंचकर नगर आयुक्त ने साफ सफाई का जायजा लिया। स्थानीय लोगों से मुलाकात कर फॉगिंग के बारे में जानकारी हासिल की। दरअसल, राजधानी के कई इलाकों में बारिश के दौरान डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। इन इलाकों में पहले डायरिया का अटैक भी देखने को मिला था। लगातार कई दिनों तक मेडिकल टीम ने यहां कैंप कर रोगियों को दवाई बांटी गई। स्थलीय निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने सफाईकर्मियों को मास्क लगाने की नसीहत दी। सभी को बिना लापरवाही काम करने के निर्देश दिए। फॉगिंग करने वाले कर्मियों को फेस कवर यानी फेस शील्ड लगाने की बात कही।

सम्पादकीय.....

फिल्म इंडस्ट्री से उठा महिलाओं के शोषण का पर्दा

मलयालम फिल्म उद्योग को लेकर एक धारणा रही है कि केरल में होने के नाते वहां की स्थितियां बेहतर होंगी, महिलाओं के लिए अपेक्षया ज्यादा सहज और अनुकूल माहौल होगा। मगर कुछ महिला कलाकारों के आरोप के बाद अब जो मामले उजागर हो रहे हैं, उससे यही लगता है कि पर्दे पर प्रगतिशील और महिलाओं के हक में दिखने वाली फिल्मी दुनिया का भीतरी ढांचा कई स्तर पर महिलाओं के खिलाफ बहुस्तरीय शोषण की शर्मनाक तस्वीर भी छिपाए हुए है। मलयालम फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों के शोषण के मसले पर 2017 में गठित न्यायमूर्ति हेमा समिति की रपट के अब सामने आने के बाद कुछ पुराने मामले भी उभर रहे हैं। गौरतलब है कि एक अभिनेत्री ने मलयालम फिल्मों के एक निर्माता रंजीत पर अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया, जिसके बाद रविवार को रंजीत ने केरल चित्रकला अकादमी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं एक अन्य अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद अभिनेता सिद्दीकी ने 'एसोसिएशन आफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। यों आरोपों के घेरे में आने वाली हस्तियों ने सच्चाई सामने आने का इंतजार करने का हवाला दिया है, मगर इस मसले पर गठित समिति की रपट में जो हकीकत सामने आई है, उसके बाद किस तरह के सच की उम्मीद की जा सकती है! संभव है कि आरोप और उसके साबित होने के बीच लंबा फासला हो। यह भी परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि फिल्म में काम पाने के लिए किसी महिला को मजबूरी में जो समझौते करने पड़े, शोषण या भेदभाव के मसले पर चुप रहना पड़ा, उसके काफी समय बीत जाने के बाद आरोप उसी रूप में साबित हो सकें। मगर मलयालम फिल्मों की दुनिया में महिलाओं के साथ होने वाले अनुचित व्यवहारों को हेमा समिति ने जिस शक्ल में दर्ज किया है, उससे साफ है कि पर्दे पर दिखने वाली प्रगतिशील कहानियों का नेपथ्य महिला कलाकारों के लिए उतना ही अनुकूल नहीं रहा है। वैसी स्थिति की कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है जिसमें किसी महिला को उस व्यक्ति की पत्नी की भूमिका निभानी पड़ी, उसे गले लगाना पड़ा, जिसने एक दिन पहले उसका यौन उत्पीड़न किया था। ऐसी न जाने कितनी घटनाएं काम नहीं मिलने और यहां तक कि प्रतिबंध लगाए जाने के हालात और मजबूरी के दुख में दब कर रह जाती होंगी और पर्दे पर चलती कहानियों के आधार पर फिल्म जगत की भीतरी दुनिया के बारे में लोग सकारात्मक राय बनाते होंगे। मगर उस दुनिया में महिलाओं के लिहाज से हकीकत कई बार उलट भी हो सकती है। किसी फिल्म की कहानी महिलाओं से होने वाले भेदभाव, उनके शोषण से जुड़े मुद्दे उठाती दिख सकती है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि इसके निर्माण से जुड़े समूह में महिलाओं के हक और सम्मान का भी उतना ही खयाल रखा गया हो। हिंदी फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों और खासतौर पर फिल्मी दुनिया में जगह बनाने पहुंची नई युवतियों को कैसी विपरीत परिस्थितियों और कई बार शोषण का सामना करना पड़ता है, इससे संबंधित खबरें पहले भी आती रही हैं। एक अघोषित चलन के तौर पर 'कास्टिंग काउच' नई महिला कलाकारों के लिए क्या साबित होता होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। यह देखने की बात होगी कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रपट में जो सामने आया है, उसमें बदलाव के लिए सरकार और खुद फिल्म जगत क्या करता है!

पुरानी नही अब सुनिश्चित पेंशन

प्रेम शर्मा

केन्द्र और सार्वजनिक उपक्रम सहित कई राज्यों के कर्मचारी संगठनों द्वारा एक मई 24 को अश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा गई थी। इसके बाद से ही केन्द्र सरकार में हलचल शुरू हो गई थी। सरकार की नई एकीकृत पेंशन योजना योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी।

ओपीएस और एनपीएस के मसले पर कर्मचारी संगठनों से रार के बीच सरकार यूपीएस यानी एकीकृत पेंशन योजना लेकर आई है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक यूपीएस को कैबिनेट ने हरी झंडी दिखा दी है। केन्द्र और सार्वजनिक उपक्रम सहित कई राज्यों के कर्मचारी संगठनों द्वारा एक मई 24 को अश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा गई थी। इसके बाद से ही केन्द्र सरकार में हलचल शुरू हो गई थी। सरकार की नई एकीकृत पेंशन योजना योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। हालॉकि कर्मचारियों के लम्बे आन्दोलन के बाद पुरानी पेंशन की बहाली तो नही की गई लेकिन एक सुनिश्चित पेंशन का रास्ता जरूर केन्द्र सरकार ने बना दिया है। यूपीएस को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार के आन्देलनरत कार्मिक कितने संतुष्ट इसका पता शीघ्र ही चलेगा। बहरहाल यूपीएस का लेकर कर्मचारियेां के मामले में काफी कम बोलने वाले प्रधानमंत्री ने चुप्पी तोड़ते हुए यह कहा कि एकीकृत पेंशन योजना सरकारी कर्मचारियेां के लिए सम्मान और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती है, जो उनकी भलाई और सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। सरकार द्वारा एक अप्रैल 25 से लागू होने वाली यूनिफाइड पेंशन स्कीम में केंद्र सरकार के कर्मचारियों को फिक्स पेंशन मिलेगी। जबकि नेशनल पेंशन स्कीम में बाजार के रिटर्न पर पेंशन तय होती थी, जो कम ज्यादा होती रहती थी। यही नही एनपीए की तरह यूपीएस में भी कर्मचारी सैलरी का 10 प्रतिशत पेंशन के लिए जमा करेंगे, जबकि सरकार 18.5 प्रतिशत देगी. अभी तक सरकार 14 प्रतिशत दे रही थी।यूपीएस में सरकारी कर्मचारी को 25 साल नौकरी के बाद फिक्स पेंशन के अलावा एकमुश्त राशि भी मिलेगी। महंगाई दर के हिसाब से ये पेंशन बढ़ेगी। एनपीए में बहुत कर्मचारियों को बहुत कम रुपए ही मिल रहे थे। एनपीएस में कोई सुनिश्चित पेंशन नहीं था। यूपीएस में 25 साल की सेवा के बाद आखिरी सैलरी का कम से कम 50 फीसदी पेंशन सुनिश्चित होगा।इसके अलावा यूपीएस में 10 साल की सेवा के बाद 10 हजार रूपए सुनिश्चित पेंशन मिलेगी. एनपीएस में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। अभी तक एनपीएस में बाजार के उतार चढ़ाव पर निर्भरता है. लेकिन यूपीएस में बाजार पर निर्भरता काफी घटी है। ज्ञात हो कि एनपीएस को 2004 में शुरू किया गया था। इसके बाद 2009 में इस स्कीम को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया गया था। एनपीस का मैनेजमेंट पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी करती है। अब केन्द्र द्वारा लागू की गई यूपीएस को लेकर कई तरह के संशय सामने आ रहे है। इसका भी केन्द्र सरकार द्वारा समाधान किया गया है। जैसे यह स्कीम क्या है ? पेंशन एरियर और उस पर ब्याज भुगतान की क्या व्यवस्था है ? एरियर की गणना कैसे होगी ? तो इसका सरल शब्दों में जबाब यह दिया जा रहा है कि यूपीएस यानी एकीकृत पेंशन योजना अपनाने पर कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद सुनिश्चित पेंशन मिलेगी। इसकी रकम सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। 25 वर्ष तक की सेवा पर ही यह रकम मिलेगी। 25 वर्ष से कम और 10 साल से ज्यादा की सेवा पर उसके अनुपात में पेंशन मिलेगी। किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा। कम से कम 10 साल की सेवा के बाद 10 हजार रुपये प्रतिमाह की न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित होगी। महंगाई भत्तों को जोड़कर आज के हिसाब से यह रकम 15 हजार रुपये के आसपास होगी। महंगाई दर के साथ इंडेक्सेशन की सुविधा यानि उपरोक्त तीनों तरह की पेंशन यानी सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन के मामलों में महंगाई राहत यानी क्त् के आधार पर इनफ्लेशन इंडेक्सेशन मिलेगा। सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का लाभ मिलेगा। छह महीने की सेवा के लिए (वेतन+डीए) की 10 फीसदी रकम का एकमुश्त भुगतान होगा। यानी अगर किसी की 30 साल की सर्विस है तो उसे छह महीने की सेवा के आधार पर एकमुश्त भुगतान (इमॉल्यूमेंट) होगा। पेंशन मद में सरकार का योगदान बढ़ने या एरियर भुगतान के बावजूद कर्मचारियों पर कोई भार नहीं पड़ेगा। 10 वर्ष पहले तक कर्मचारी और सरकार 10–10 फीसदी का योगदान देते हैं। हमारी सरकार ने योगदान बढ़ाकर 14 फीसदी कर दिया था। यह अपने आप में बड़ा कदम था। अब केंद्र सरकार का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यही नही वित्त सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन के अनुसार जो कर्मचारी 2004 से अब तक और आगे 31 मार्च 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे, वे भी यूपीएस के पांच बिंदुओं का फायदा ले सकेंगे। उन्हें एरियर्स भी मिलेंगे। जो राशि उन्हें मिल चुकी है, उसमें से नई गणना के मुताबिक रकम एडजस्ट होगी। एरियर्स के लिए 800 करोड़ रुपये रखे गए हैं। यह योजना पूरी तरह वित्त पोषित है। केंद्र का पेंशन में जो योगदान बढ़ेगा, उसके अतिरिक्त भार को वहन के लिए वार्षिक आधार पर 6250 करोड़ रुपये रखे गए हैं। वित्त सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन अनुसार 2004 से अब तक 20 साल का वक्त गुजरा है। इस दौरान एनपीएस के तहत सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इनका पूरा रिकॉर्ड हमारे पास है। वे कब सेवा में आए, कब वे सेवानिवृत्त हुए, तब उन्हें रकम कितनी मिली है, यह सारी जानकारी हमारे पास है।

भाग्य से नहीं सर्वोत्तम कर्म से पाइये सफलता

सफलता एक दिन में नहीं मिलती पर एक दिन मिलती जरूर है,जो सफलता भाग्य से मिलती है वह क्षण–भंगुर भी हो सकती है। इसिलए निरंतर,नियमित मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए,साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होगी और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है।जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ, जाया नहीं होती है। वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाएद्य भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है, एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है,असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है, एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती हैद्य तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है, व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं, आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता हैद्य अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे–धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं, वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगा, यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते हैं, ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है,, नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है,उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फार्मूला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं, यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता हैद्य हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है, जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है, उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है,सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करेंद्य इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगा। प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है, यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यों की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता है, ऐसे में काम की सफलता की गुंजाइश कम हो जाती है, और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है, यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जाता, अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता हैद्यसामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जानेद्य आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे। आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक है,यह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता हैद्य मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी, मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे, आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए, अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है, क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है, इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे, अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है, आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेगे। इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले, और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगेद्य किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं, अतः काम करने से पूर्व निडर होकर कार्य करें क्योंकि गलतियां तो इंसान से ही होती हैं, और जो ज्यादा काम करता है उससे ज्यादा गलती की संभावना होती है। ऐसे में किसी भी तरह के डर या चिंता से मुक्त रहकर अपने कार्य को निष्पादित करें, सफलता आपकी पर्सनालिटी को देखते हुए आपके सामने होगी। शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है। संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज्जत करता है।

वैश्विक शांति में भारत का महत्वपूर्ण प्रयास

भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम कर शांति की स्थापना हो और अब के बाद भविष्य में अनावश्यक जान माल की हानि न होने पाए और इसके लिए भारत ने अथक प्रयास भी किए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है। शांति के प्रयासों के तहत भारत के प्रधानमंत्री की पोलैंड तथा यूक्रेन की यात्रा के बहुत अहम मायने हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पुतिन और रुस से परंपरागत रूप से सामरिक,राजनीतिक एवं आर्थिक अच् संबंध गहरे रहें हैं और इन्हीं संबंधों के परिणाम स्वरूप मोदी यूक्रेन से भी शांति की वार्ता करने व्लादिमीर जिलेंस्की से भीवन टू वन चर्चा करेंगे, भारत की तरफ से शांति का यह महत्वपूर्ण वैश्विक प्रयास है। हालांकि अमेरिका भी शांति का प्रयास के जुटा हुआ है किंतु भारत का प्रयास अलग महत्व रखता है परिणाम जो भी हो कोशिश की सराहना की जानी चाहिए। दूसरी तरफ इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है । इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ–साथ यूरोप,अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया ,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अर्वाचीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है। पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया था। तथा विस्तार वाली नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो। फल स्वरूप राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया था, पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया था। इसके उपरांत बहुत संघर्ष तथा मेहनत के बाद 1947 में भारत को आजादी मिलीद्य और इसके उपरांत भारत लगातार "अहिंसा परमो धर्म" की नीति पर अपने कदम बढ़ाता रहा है, कुछेक उदाहरण को छोड़ दिया जाए जैसे पाकिस्तान द्वारा लगातार भारत पर आक्रमण करने से भारत ने मुंह तोड़ जवाब भी दिया, और इसी के परिणाम स्वरूप बांग्लादेश का जन्म भी हुआ। पर इस घटना में भी भारत की वैश्विक स्तर पर शांतिदूत की भूमिका ही रही, भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि एक शांति के संप्रभुता वाले गणतांत्रिक लोकतंत्र की रहीद्य भारत ने ऐतिहासिक तौर पर कभी किसी राष्ट्र पर अपनी तरफ से आक्रमण हमला नहीं किया, और यही कारण है की संयुक्त राष्ट्र संघ के 75 वर्ष के निर्माण काल के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ हमेशा शांति प्रयासों में भारत की सहायता लेता रहा है और भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों में योगदान की महत्वपूर्ण रहा है, भारत की स्वतंत्रता के बाद मोदी सरकार ने भी वसुधैव कुटुंबकम की नीति का परिचालन कर विश्व को संदेश दे दिया है की भारत गांधी का देश है बुध और विवेकानंद का देश है, वह अपने साथ विश्व में भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखना चाहता है, और इसी कार्यक्रम में 26 सितंबर 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना दिवस की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आभासी आयोजन में हिंदी में संभाषण किया यह उनकी संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा को संबोधित करने का हिंदी में तीसरा अवसर था, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा किए जा रहे शांति प्रयासों में अपनी भूमिका का स्मरण दिलाया, उन्होंने कहा की भारत विभिन्न समय में संयुक्त राष्ट्र संघ से कंधे से कंधा मिलाकर शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है. इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद के लोकतांत्रिक होने के प्रयासों में अपना दावा भी पेश किया था, यह उल्लेखनीय है की भारत में संयुक्त राष्ट्र संघ की सभी शांति प्रयास की योजनाओं तथा अभियान में अपनी सशक्त जिम्मेदारी निभाते हुए अपना सहयोग तथा शांति सेना हेतु अपनी सेनाओं को भेजकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी धर्म तथा संविधान तथा घोषणा पत्र मैं शांति प्रयासों के लिए सेना को भेजने का कहीं उल्लेख नहीं है किंतु विश्व के कई युद्ध रत तथा मुसीबत में पड़े राष्ट्रों को जहां गृह युद्ध जैसी स्थिति बनी है। वहां भारतीय गणतंत्र ने अपनी सेनाएं भेज कर हजारों लाखों मानव की रक्षा कर, मानव जाति की सेवा की है। और अवांछित युद्ध जैसी स्थिति पर अपनी सेनाओं द्वारा नियंत्रण स्थापित किया है। इस बात को संयुक्त राष्ट्र संघ अलग–अलग महासभा में स्वीकार भी करता है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हर संभव किया है? भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आव्हान पर कोरिया, वियतनाम,लागोस,मिस्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया,नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनगिनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली हेतु अलग–अलग समय में उपलब्ध करवाई थी।भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है।

एक बार फिर जिम जाने पर विचार कर रही हैं परिणीति चोपड़ा

> अभिनेत्री को एक बढ़िया रेस्टोरेंट में बैठकर पनीर, लच्छा पराठा, गुलाब जामुन और एक स्पेशल पराठा जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता है। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाली परिणीति खाने की बहुत शौकीन हैं और उन्हें जायकेदार और मसालों से भरपूर खाना पसंद है।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, जिन्होंने स्ट्रीमिंग बायोपिक अमर सिंह चमकीला में अपने काम के लिए काफी सराहना बटोरी है, एक बार फिर जिम जाने पर विचार कर रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर स्पोर्ट्स वियर में अपनी एक तस्वीर शेयर की। तस्वीरों में अभिनेत्री को पैरों को मोड़कर बैठे हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, फोटोडंप साफ करते समय यह मिला... वर्कआउट करने के लिए एक रिमाइंडर मिला। हाल ही में अभिनेत्री को यूके में देसी जायके का लुत्फ उठाते हुए देखा गया था। इससे पहले अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर स्टोरी सेक्शन में अपने खाने की कई तस्वीरें शेयर की थीं। अभिनेत्री को एक बढ़िया रेस्टोरेंट में बैठकर पनीर, लच्छा पराठा, गुलाब जामुन और एक स्पेशल पराठा जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता है। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाली परिणीति खाने की बहुत शौकीन हैं और उन्हें जायकेदार और मसालों से भरपूर खाना पसंद है। अभिनेत्री ने मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में पढ़ाई के दौरान अपना काफी समय ब्रिटेन में बिताया। उन्हें यूनिवर्सिटी से बिजनेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में ट्रिपल ऑनर्स की डिग्री मिली थी। यूके में अपनी पढ़ाई के दौरान परिणीति अक्सर पिज्जा का लुत्फ उठाती थी, लेकिन जब उन्हें एक्टिंग शौक लगा तो उन्होंने इसे छोड़ दिया। 2013 में राजस्थान में अपनी फिल्म शुद्ध देसी रोमांस की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री ने गट्टे की सब्जी और लाल मांस जैसे स्थानीय भोजन के प्रति अपने पसंद के बारे में बात की थी। अमर सिंह चमकीला के बाद परिणीति अपने खाली समय और वैवाहिक आनंद का आनंद ले रही हैं, जिसमें उन्होंने पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी पत्नी की भूमिका निभाई थी। परिणीति को आखिरी बार अमर सिंह चमकीला में देखा गया था, जहां उन्होंने पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन साझा की थी और चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर की भूमिका निभाई थी।

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने इस वर्ष सीखी गई बातों की बनाई सूची, किया शेयर

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने वर्ष 2024 में सीखी गई चीजों की एक सूची शेयर की है। सूची में उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और परिवार के पालन–पोषण की बात कही है। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर छुट्टियों की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। उन्होंने कैप्शन में ट्विस्ट के साथ 2024 में सीखी गई बातें बताई हैं। उन्होंने लिखा, 2024 में मैंने जो सीखा है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आप केवल वही दे सकते हैं जो आपके पास है। अपने परिवार का पालन–पोषण करें, यह आपके मूल्यों की नींव है। एकमात्र व्यक्ति, जो आपके लिए अपना जीवन समर्पित करेगा, वह आपका साथी है, उसका सम्मान करें। उन्होंने आगे लिखा, माता–पिता तेजी से बूढ़े हो रहे हैं, जल्दी से जल्दी उनसे बहस करना छोड़ दें और उनके साथ अधिक समय बिताएं। कभी भी अपनी ऊर्जा यह साबित करने में खर्च न करें कि आप कितने प्रासंगिक हैं। बता दें कि रुबीना ने 2018 में अपने लंबे समय के प्रेमी अभिनेता अभिनव शुक्ला से शादी की। 2023 में इस जोड़े ने जुड़वां बेटध्यिों को जन्म दध्या। उन्होंने बच्चियों का नाम जीवा और एधा रखा है। रूबीना ने छोटे पर्दे पर छोटी बहू से अपना करियर का शुरुआत की थी। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह–एक नई उम्मीदश, श्देवों के देव.. .महादेव, जीनी और जूजू और शक्ति–अस्तित्व के एहसास की जैसे शो में नजर आई। रूबीना ने फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 12 और झलक दिखला जा 10 में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने 2022 में राजपाल यादव और हितेन तेजवानी अभिनीत अर्ध से अपने फिल्मी करध्यिर की शुरुआत की।

भाई की शादी में छा गया प्रियंका का हॅट लुक, साड़ी से ज्यादा बेशकीमती हार के

देसी गर्ल ने लग्जरी इटैलियन फैशन ब्रांड बुलगारी से जो गहने पहने थे उसकी कीमत करीब ८ करोड़ बताई जा रही है। १८ कैरेट व्हाइट गोल्ड और डायमंड वाला ये ब्रेसलेट उनकी खूबसूरती पर चांद लगा रहा था।

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी के लिए इंडिया में है। शादी की रस्म के दौरान प्रियंका की कुछ तस्वीरें सामने आई है जिसे देख उनकी खूबसूरती के खूब चर्चे हो रहे हैं। प्री–वेडिंग फंक्शन के लिए देसी गर्ल ने मैजेंटा स्टाइलिश साड़ी चुनी, जिसके साथ पहने बेशकीमती हार ने सभी का ध्यान खींचने का काम किया। प्रियंका ने खूबसूरत साड़ी के साथ लेयर्ड पर्ल चोकर नेकलेस और मैचिंग पर्ल इयररिंग्स कैरी किए जो पूरे लुक को रॉयल टच दे रहा था। देसी गर्ल ने लग्जरी इटैलियन फैशन ब्रांड बुलगारी से जो गहने पहने थे उसकी कीमत करीब 8 करोड़ बताई जा रही है। 18 कैरेट व्हाइट गोल्ड और डायमंड वाला ये ब्रेसलेट उनकी खूबसूरती पर चांद लगा रहा था। देसी गर्ल ने अपने बालों को नीट बन स्टाइल में रखा था और अपने मेकअप को बोल्ड रेड लिप्सिटिक और एक स्मोकी आई के साथ क्लासिक रखा था। इससे पहले प्रियंका अपने भाई सिद्धार्थ और उनकी होने वाली पत्नी नीलम उपाध्याय की सगाई के दौरान भी इंडिया आई थी। उस समय उनके साथ पति निक जोनास भी थे। पिछले महीने, प्रियंका मुंबई में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की स्टार–स्टडेड शादी में शामिल हुई थीं, जहां उनके साथ उनके पति निक जोनास भी थे। अपनी हालिया फिल्म द ब्लफ के साथ, प्रियंका कई रोमांचक परियोजनाओं के लिए तैयार हैं। फैन प्रशंसक प्रियंका की मराठी फिल्म श्पानीश का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो 18 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

अपने बर्थडे पर हिना की मां ने खुदा से मांगा बेटी के लिए खास तोहफा

स्टेज 3 स्तन कैंसर से कठिन लड़ाई लड़ रही हिना खान ने हाल ही में अपनी मां का जन्मदिन मनाया है। हिना और उनके परिवार इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन इस सब के बावजूद वह सब मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़े हैं। इसी बीच टीवी की अक्षरा ने एक बेहद प्यारा वीडियो शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में हिना ने अपनी मां के स्वास्थ्य और खुशी की कामना करत सुनाई दे रही है। वीडियो में हिना की मां को मोमबत्तियां बुझाते और खूबसूरती से सजाए गए केक काटते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने अपने लिए नहीं बल्कि बेटी के ठीक होने की कामना की। वीडियो में हिना की मां कहती सुनाई दे रही है कि इस बार मेरी कामना है कि हिना अगले साल इस समय तक बिल्कुल ठीक हो जाए। फिर हम बहुत अच्छे से जश्न मनाएंगे। मैं दिल से प्रार्थना करती हूं कि हिना ठीक हो जाए। वीडियो के साथ हिना ने एक कैप्शन भी जोड़ा, जिसमें लिखा था– ष्मां आपको अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और लंबी उम्र की शुभकामनाएं..आमीन।याद हो कि जून की शुरुआत में, हिना ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कैंसर को लेकर खुलासा किया था। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिश के जरिए फैंस के साथ अपनी सेहत से जुड़ी जानकारी शेयर करती रहती हैं। इस मुश्किल वक्त में उनका परिवार उनके साथ खड़ा है।

नाश्ते में बनाकर तैयार करें रेस्टोरेंट स्टाइल फ्रेंच टोस्ट, यहां देखिए रेसिपी

अक्सर जब भी कुछ खाने–पीने का मन होता है, तो हम स्नैक्स खाते हैं। वहीं खाने के शौकीन हमेशा नए–नए व्यंजनों की तलाश में रहते हैं। हम हमेशा कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं। कई बार ब्रेकफास्ट बनाने के दौरान यह समझ नहीं आता है कि क्या बनाया जाए, जिसको खाकर पेट भी भर जाए और घर वाले भी आराम से खा सकें।

ऐसे में आप फ्रेंच टोस्ट बनाकर तैयार कर सकती हैं। बता दें कि इसको खाने से आप पूरा दिन एनर्जेटिक फील करेंगे। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फ्रेंच टोस्ट की रेसिपी और इसे बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

फ्रेंच टोस्ट की रेसिपी सामग्री

अंडे– 2

चीनी– 1 बड़ा चम्मच

दूध– 1 कप

ब्रेड– 4

घी तलने के लिए– 2 कप

सही ब्रेड चुनें

वैसे तो मार्केट में कई तरह के ब्रेड मिलते हैं। जिनका अलग–अलग इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप फ्रेंच टोस्ट बनाना चाहते हैं, तो थोड़े बड़े और मोटे ब्रेड खरीदें। क्योंकि इसमें स्टफिंग आसानी से हो जाती है और टोस्ट भी सही तरीके से तैयार हो जाता है।

कस्टर्ड मिक्सचर बनाएं

इसके साथ ही टोस्ट के लिए कस्टर्ड का मिक्सचर तैयार करें। इससे टोस्ट स्वादिष्ट होने के साथ हेल्दी भी रहेगा। कस्टर्ड का मिक्सचर तैयार करने के लिए एक बाउल में सबसे पहले दूध, अंडा, नमक और वेनिला का अर्क डालें। फिर इसको अच्छे से मिक्स करें। आप इसका स्वाद बढ़ाने के लिए जायफल और दालचीनी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

अच्छे से करें सोख

फ्रेंच टोस्ट बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड स्लाइस को मिक्सचर में अच्छे से सोख करें। ब्रेड स्लाइस के दोनों तरफ समान रूप से सोख सकें। ब्रेड को इसमें ज्यादा न डुबोएं, वरना ब्रेड मुलायम हो जाएगा।

सही रखें टेंपरेचर

फ्रेंच टोस्ट बनाने के दौरान टेंपरेचर का ध्यान रखें। अगर आप ज्यादा तेज आंच पर टोस्ट पकाते हैं, तो यह जल सकता है। इसलिए नॉन–स्टिक कड़ाही या तवा को मीडियम आंच पर गर्म कर उसमें थोड़ा सा मक्खन डालें।

जब तवा हल्का गर्म हो जाए, तो इस पर ब्रेड को सेंक लें। अब मिश्रण में भीगे हुए फ्रेंच टोस्ट को तब तक पकाएं, जब तक यह दोनों तरफ से अच्छे से पक न जाए। फिर इसको एक प्लेट में निकालकर रखें।

अच्छे से करें गार्निश

जब फ्रेंच टोस्ट दोनों तरफ से अच्छे से पक जाए, तो इसको अच्छे से गार्निश कर लें। अब इसको सर्व करें और इस पर थोड़ा सा मेपल सिरप, कुछ पाउडर चीनी, ताजे फल, या अपनी पसंद की कोई अन्य सामग्री छिड़कें।

ग्लोइंग त्वचा के लिए घर पर बनाएं ये 4 मुल्तानी मिट्टी का मास्क, जानें इसके फायदे

त्वचा के लिए असंख्य लाभों के कारण त्वचा की देखभाल में मिट्टी के मास्क का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी मास्क एक लोकप्रिय त्वचा देखभाल उपचार है जो त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार के लिए खनिज युक्त मिट्टी के प्राकृतिक लाभों का उपयोग करता है। अक्सर मिट्टी के जमाव से प्राप्त, ये मास्क मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरे होते हैं, जो त्वचा पर विभिन्न चिकित्सीय प्रभाव प्रदान कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी मास्क के लाभ

गहरी सफाई करता

मिट्टी के मास्क अपने अवशोषक गुणों के कारण त्वचा से अशुद्धियों और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह गहरी सफाई प्रभाव बंद छिद्रों को साफ़ करने और मुँहासे को कम करने में मदद कर सकता है।

एक्सफोलिएट करता

कई मिट्टी की प्राकृतिक बनावट कोमल एक्सफोलिएशन प्रदान करती है, मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाती है और त्वचा को चिकना और चमकदार बनाती है।

त्वचा को टाइट रखता है

मड मास्क त्वचा को कसने और मजबूत बनाने, छिद्रों की उपस्थिति को कम करने और अधिक युवा लुक देने में मदद कर सकता है।

स्किन को डिटॉक्स करता

मिट्टी में मौजूद खनिज अतिरिक्त तेल और अशुद्धियों को बाहर निकालकर त्वचा को विषहरण करने में मदद कर सकते हैं, जिससे वे तैलीय और मुँहासे–प्रवण त्वचा के प्रकारों के लिए फायदेमंद बन जाते हैं।

सुखदायक और शांत

कई मिट्टी के मास्क में प्राकृतिक सूजन–रोधी गुण होते हैं जो चिढ़ या सूजन वाली त्वचा को शांत कर सकते हैं, जिससे वे संवेदनशील त्वचा के प्रकारों के लिए भी उपयुक्त हो जाते हैं।

ये 4 मुल्तानी मास्क

साधारण क्ले मास्क

सामग्री

–2 बड़े चम्मच बेंटोनाइट क्ले या हरी मिट्टी

–2 बड़े चम्मच पानी या सेब का सिरका

बनाने का तरीका

– मिट्टी को पानी या सेब के सिरके के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक चिकना पेस्ट न मिल जाए।

– अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 10–15 मिनट तक लगा रहने दें।

– गर्म पानी से धो लें और अपने चेहरे को थपथपाकर सुखा लें।

क्ले और शहद का मास्क

सामग्री

– 2 बड़े चम्मच क्ले

– 1 बड़ा चम्मच शहद

बनाने का तरीका

– क्ले को शहद का साथ मिक्स कर लें।

– अपने चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें।

– गर्म पानी से धो लें और फिर मॉइस्चराइजर लगा लें।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा मास्क

सामग्री

–2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी

–1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल

बनाने का तरीका

– मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल को मिलाकर एक चिकना पेस्ट बना लें।

– अपने चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट तक लगा रहने दें।

– गुनगुने पानी से धो लें।

मुल्तानी मिट्टी और दही का मास्क

–2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी

–1 चम्मच दही

बनाने का तरीका

– मुल्तानी मिट्टी को दही के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक मलाईदार स्थिरता न मिल जाए।

– अपने चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें।

– गर्म पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

यह मास्क त्वचा की विभिन्न समस्याओं में मदद करते हैं, लेकिन किसी भी एलर्जी या संवेदनशीलता की जांच के लिए पहले पैच टेस्ट करना सुनिश्चित करें।

बालों पर नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये 2 चीजें, मुलायम और चमकदार बनेंगे बाल

नेचुरल तरीकों से बालों की देखभाल करना आजकल काफी लोकप्रिय हो गया है। अगर आप भी अपने बालों को मुलायम और चमकदार बनाना चाहती हैं, तो नारियल तेल, एलोवेरा और पेट्रोलियम जेली का हेयर मास्क आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे इन साधारण सामग्री को मिलाकर एक प्रभावी हेयर मास्क तैयार किया जा सकता है।

बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको इन सामग्री की आवश्यकता होगी

नारियल का तेल – 1 बड़ा चम्मच

एलोवेरा जेल – 1 बड़ा चम्मच

पेट्रोलियम जेली – 1 चम्मच

हेयर मास्क बनाने की विधि

सामग्री को मिलाना

सभी सामग्री को एक छोटे बाउल में डालें। ध्यान दें कि सामग्री की मात्रा सही हो ताकि मास्क की स्थिरता ठीक रहे।

पेस्ट तैयार करना

इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिलाएं जब तक कि एक चिकना पेस्ट न बन जाए। यह पेस्ट बालों पर लगाने के लिए तैयार है।

बालों में लगाना

अपने बालों को हल्का गिला करें और इस पेस्ट को बालों में समान रूप से लगाएं। स्कैल्प से शुरू करते हुए बालों की स्मदहजी तक पेस्ट को लगाएं।

मसाज करना

मास्क को बालों में लगाने के बाद, कुछ मिनटों के लिए अपने स्कैल्प की मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और मास्क के तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित किया जा सकेगा।

मास्क को रखना

मास्क को 30 मिनट से एक घंटे तक बालों में लगा रहने दें। यह सुनिश्चित करता है कि सभी पोषक तत्व बालों में समा जाएं।

धोना

समय पूरा होने के बाद, नियमित शैंपू का उपयोग करके बालों को गुनगुने पानी से अच्छे से धो लें। इससे आपके बाल न केवल साफ होंगे, बल्कि मुलायम और चमकदार भी बनेंगे।

घरेलू उपाय के फायदे

इस घरेलू हेयर मास्क का उपयोग नियमित रूप से करने से बालों की चमक और मुलायमता में सुधार देखा जा सकता है। नारियल का तेल और एलोवेरा बालों को पोषण प्रदान करते हैं, जबकि पेट्रोलियम जेली बालों को नरम बनाती है। इन सामग्रियों का संयोजन आपके बालों को एक नई चमक और सॉफ्टनेस दे सकता है। इस तरह के घरेलू उपाय महंगे सैलून ट्रीटमेंट्स का एक प्रभावी और किफायती विकल्प हो सकते हैं। बालों की प्राकृतिक देखभाल को अपनाकर आप अपने बालों को स्वस्थ और सुंदर बना सकती हैं।

सिर्फ अनानास में पाया जाता है ब्रोमेलैन, रोजाना खाने से दूर रहती हैं कई बीमारियां

फलों में एंटीऑक्सीडेंट गुण और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसी वजह से हेल्थ एक्सपर्ट सभी लोगों को रोजाना कम से कम दो मौसमी फलों के सेवन की सलाह देते हैं। आपको बता दें कि अनानास स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। अनानास में विटामिन–सी और मैंगनीज के अलावा मैग्नीशियम, पोटेशियम और फोलेट भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। अनानास एकमात्र ऐसा फल है, जिसमें ब्रोमेलैन पाया जाता है। यह प्रोटीन को पचाने वाले एंजाइमों का संयोजन है। बता दें कि ब्रोमेलैन शरीर में भोजन को पचाने और अवशोषित करने के प्रोसेस को आसान बनाता है। इन्हीं पोषक तत्वों के कारण अनानास को काफी पसंद भी किया जाता है। अनानास का सेवन गठिया और पाचन संबंधी समस्याओं में विशेष लाभप्रद हो सकता है।

पोषक तत्व से भरपूर होता है अनानास

अनानास पोषक तत्व और लाभकारी यौगिक से भरपूर होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि इस फल को खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने के साथ कैंसर का जोखिम कम होता है। साथ ही यह फल सर्जरी के बाद रिकवरी में सुधार लाने में मदद करता है। अनानास विटामिन सी और मैंगनीज से भरपूर होता है। विटामिन–सी प्रतिक्षा स्वास्थ्य, आयरन अवशोषण को बढ़ाने के साथ संक्रमण से सुरक्षा के लिए [illegible] होता है। वहीं मैंगनीज एंटी ऑक्सीडेंट्स गुण प्रदान करता है। [illegible] शारीरिक विकास और मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है।

पाचन की समस्या में फायदेमंद

पाचन स्वास्थ्य के लिए भी अनानास काफी फायदेमंद होता है। ब्रोमेलैन एंजाइन की वजह से पाचन संबंधी कई समस्याओं में लाभ मिलता है। ब्रोमेलैन प्रोटीन अणुओं को तोड़ता है, जिससे हमारे शरीर की छोटी आंत उसे ज्यादा आसानी से अवशोषित कर पाती है। एक अध्ययन के मुताबिक ब्रोमेलैन पाचन ऊतकों में सूजन के मार्कर को भी कम करने में सहायक होता है। ऐसे में पाचन की समस्या से परेशान लोगों को अनानास का सेवन करना चाहिए।

गठिया में भी मिलता है आराम

अनानास के सेवन को गठिया के लक्षणों को कम करने में भी फायदेमंद माना जाता है। गठिया की समस्या होने पर जोड़ों में सूजन–अकड़न होती है, जिसके कारण उठना–चलना भी मुश्किल हो जाता है। अनानास में ब्रोमेलैन के एंटी–इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं, जो गठिया की सूजन और दर्द से राहत देने का काम करता है। एक अध्ययन में पाया गया है कि ब्रोमेलैन की खुराक ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षणों को कम करता है। ब्रोमेलैन युक्त पाचन एंजाइम सप्लीमेंट से ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित लोगों में दर्द को सामान्य करने में उसी तरह से फायदा मिलता है, जैसे गठिया की दवाओं से मिलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता में होगा सुधार

बता दें कि सदियों से पारंपरिक चिकित्सा में भी अनानास का इस्तेमाल किया जाता रहा है। अनानास में कई तरह के खनिज, विटामिन और एंजाइम पाए जाते हैं, जो प्रतिरक्षा में सुधार करने के साथ सूजन को कम करने में सहायक होते हैं।

एक शोध के मुताबिक अनानास का सेवन करने वालों में वायरल और बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा कम था। जिन बच्चों ने इस फल को खाया, उनमें रोग से लड़ने वाली श्वेत रक्त कोशिकाओं की मात्रा ज्यादा पाई गई। आप इम्यूनिटी में सुधार के लिए इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

संक्षिप्त

FSSAI ने दूध, दुग्ध उत्पादों के 'ए1', 'ए2' प्रकारों के दावों को हटाने संबंधी सलाह वापस ली

नयी दिल्ली। खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने अपने उस हालिया परामर्श को वापस ले लिया, जिसमें खाद्य व्यवसायों को पैकेजिंग से 'ए1' और 'ए2' प्रकार के दूध और दुग्ध उत्पादों के दावों को हटाने का निर्देश दिया गया था। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने कहा कि अंशधारकों के साथ आगे के परामर्श के लिए सलाह वापस ले ली गई है। इसका मतलब यह होगा कि खाद्य व्यवसाय संचालक (एफबीओ) 'ए–1' और 'ए–2' प्रकार के दूध के दावों के साथ अपने उत्पादों को बेचना और विपणन करना जारी रख सकते हैं। 'ए–1' और 'ए–2' दूध में बीटा–कैसिइन प्रोटीन की संरचना अलग–अलग होती है, जो गाय की नस्ल के आधार पर भिन्न होती है। सोमवार को जारी एक नए परामर्श में, नियामक ने कहा, ''21 अगस्त, 2024 की सलाह... अंशधारकों के साथ आगे के परामर्श और जुड़ाव के लिए वापस ली जाती है। एफएसएसएआई ने 21 अगस्त की अपनी सलाह में एफबीओ को अपने उत्पादों से 'ए–1' और 'ए–2' के दावों को हटाने के लिए कहा था। ई–कॉमर्स मंचों को भी इन दावों को उत्पादों और वेबसाइट से तुरंत हटाने के लिए कहा गया था। नियामक ने कहा था कि 'ए–1' और 'ए–2' प्रकार के दूध और दुग्ध उत्पादों के दावे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अनुरूप नहीं हैं। जांच के बाद, एफएसएसएआई ने पाया था कि 'ए–1' और 'ए–2' का अंतर दूध में बीटा–कैसिइन प्रोटीन की संरचना से जुड़ा हुआ है। हालांकि, वर्तमान एफएसएसएआई नियम इस अंतर को मान्यता नहीं देते हैं। 21 अगस्त की सलाह में, एफबीओ को छह महीने के भीतर पूर्व–मुद्रित लेबल समाप्त करने के लिए भी कहा गया था, और आगे कोई समय–विस्तार नहीं देने की बात कही गई थी।

एचयूएल को आयकर विभाग ने 962 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस भेजा, हॉर्लिक्स के अधिग्रहण से जुड़ा मामला

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर को आयकर विभाग से 962.75 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला है। इसमें 329.33 करोड़ रुपये का ब्याज भी शामिल है। एफएमसीजी कंपनी ने सोमवार को एक्सचेंजों को जानकारी दी। यह नोटिस ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) समूह से इंडिया हेल्थ फूड ड्रिंक (एचएफडी) के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के अधिग्रहण के लिए किए गए खर्च 3,045 करोड़ रुपये के स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) न काटने से संबंधित है। एचयूएल ने जीएसके से 3,045 करोड़ रुपये में हॉर्लिक्स ब्रांड का अधिग्रहण किया है। इस विलय के जरिए बूस्ट, माल्टोवा और वीवा जैसे अन्य जीएसकेसीएच ब्रांड भी एचयूएल के पोर्टफोलियो में शामिल हो गए। भारी मांग के बावजूद, कंपनी ने संकेत दिया है कि उसे इस स्तर पर किसी भी महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव की उम्मीद नहीं है। एचयूएल ने कहा, ''कंपनी के पास कर न रोके जाने के मामले में मजबूत मामला है, जो उपलब्ध न्यायिक उदाहरणों पर आधारित है, जिसमें माना गया है कि अमूर्त संपत्ति का स्थान अमूर्त संपत्ति के मालिक के स्थान से जुड़ा हुआ है और इसलिए, ऐसी अमूर्त संपत्तियों की बिक्री से होने वाली आय भारत में कर के अधीन नहीं है। मांग के जवाब में, FMCG प्रमुख ने भारतीय कानून के अनुसार सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए, आदेश के खिलाफ अपील करने की योजना बनाई है। इसके अतिरिक्त, HULने कहा है कि उसके पास क्षतिपूर्ति का अधिकार है, जो उसे संबंधित पक्षों से आयकर विभाग द्वारा की गई कर मांग को वसूलने की अनुमति देता है। कंपनी से इस अधिकार को लागू करने के लिए और कदम उठाने की उम्मीद है। 26 अगस्त को ठैम पर HUL के शेयर 2820.70 रुपये पर बंद हुए। 2020 में आवश्यक स्वीकृतियों के बाद, HUL ने ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर लिमिटेड (GSKCH) के साथ विलय पूरा कियस था। उपभोक्ता वस्तुओं की दिग्गज कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए 2,538 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में 3% की साल–दर–साल (ल्वल) वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट किए गए तिमाही के लिए एचयूएल का परिचालन से राजस्व 15,166 करोड़ रुपये रहा, जो कि जून 2023 तिमाही में दर्ज 14,931 करोड़ रुपये के मुकाबले 2 प्रतिशत अधिक है।

जन्माष्टमी पर पूरे भारत में हुआ 25000 करोड़ रुपये का कारोबार, CAIT ने जताया अनुमान

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के अनुसार, देश भर में जन्माष्टमी उत्सव के दौरान व्यापार में उछाल आया और 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। ये आंकड़े जन्माष्टमी के जीवंत उत्सवों से प्रेरित त्योहार के दौरान मजबूत उपभोक्ता खर्च को उजागर करते हैं। यह वर्ष के सबसे अधिक व्यावसायिक रूप से सक्रिय त्योहारों में से एक है। सीएआईटी के राष्ट्रीय महासचिव और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस महत्वपूर्ण त्योहार के दौरान, विशेष रूप से फूल, फल, मिठाई, देवता की पोशाक, सजावटी सामान, व्रत की मिठाई, दूध, दही, मक्खन और सूखे मेवों की बड़े पैमाने पर बिक्री देखी गई। खंडेलवाल ने कहा कि जन्माष्टमी जैसे त्योहार सनातन अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं। इस साल 26 अगस्त को देशभर में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। भक्तों ने पारंपरिक रूप से उपवास रखा और मंदिरों और घरों को फूलों, दीयों और रोशनी से सजाया। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और वहां दर्शन करने वालों की भारी भीड़ रही। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी उत्सव के विशेष आकर्षणों में डिजिटल झांकियां, भगवान कृष्ण के साथ सेल्फी प्वाइंट और कई अन्य रमणीय दृश्य शामिल थे। शहरों में, संतों और ऋषियों द्वारा कई भजन, धार्मिक नृत्य और प्रवचन हुए। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी बड़े पैमाने पर जन्माष्टमी समारोह आयोजित किए। शास्त्रों के अनुसार, जन्माष्टमी भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। यह वह दिन है जब भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था।

अब महिला टी20 विश्व कप के लिए आईसीसी ने जारी किया शेड्यूल, इस दिन से शुरू होंगे अभ्यास

अब महिला टी20 विश्व कप का नया शेड्यूल आईसीसी ने जारी कर दिया है। महिला टी20 विश्व कप को पहले बांग्लादेश में आयोजित किया जाना था। मगर बांग्लादेश में हुई हिंसा के कारण इसे वहां आयोजित नहीं किया जाएगा। आईसीसी बांग्लादेश से मेजबानी ले चुका है। अब इसका नया वेन्यू यूएई बना है। अब आईसीसी टी20 विश्व कप के मैच दुबई और शारजाह में होंगे। आगामी आईसीसी टी 20 विश्व कप के लिए अभ्यास मैचों की घोषणा मंगलवार को की गई, जिसमें भारत इस प्रमुख प्रतियोगिता की तैयारी के लिए वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलेगा। आईसीसी के अनुसार, अभ्यास मैच शनिवार, 28 सितंबर से मंगलवार, 1 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाएंगे। महिला टी–20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी 10 टीमें अभ्यास मैचों में भाग लेंगी, जिसमें प्रत्येक टीम दो अभ्यास मैच खेलेगी। ये अभ्यास मैच 20 ओवर के होंगे और इन्हें अंतरराष्ट्रीय टी20 का दर्जा नहीं मिलेगा, जिससे टीमें अपने 15 खिलाड़ियों वाले दल के सभी सदस्यों को मैदान में उतार सकेंगी। अभ्यास दौर में एक ही समूह की कोई भी दो टीमें एक–दूसरे से नहीं भिड़ेंगी। आगामी महिला टी–20 विश्व कप में ग्रुप–ए में गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश हैं। अभ्यास मैच 28 सितंबर को शुरू होंगे जिसमें पाकिस्तान का मुकाबला स्कॉटलैंड से होगा और श्रीलंका का सामना बांग्लादेश से होगा। अगले दिन ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड से होगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला 2016 के चौंपियन वेस्टइंडीज से होगा। पिछले साल टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में 19 रन से हराकर अपना छठा खिताब जीता था। वहीं, भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से पांच रन से हार गया था। टूर्नामेंट को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित करने के बाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को दुबई और शारजाह में खेले जाने वाले कार्यक्रम में बदलाव किया। अक्टूबर में होने वाले इस टूर्नामेंट के ग्रुप ए में छह बार के चौंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ 2020 के उपविजेता भारत, ट्रांस–तस्मान प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड और एशियाई पक्ष पाकिस्तान और श्रीलंका को रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को ग्रुप बी में 2016 के चौंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है। श्रीलंका और स्कॉटलैंड ने इस साल की शुरुआत में अबू धाबी में आयोजित आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट के माध्यम से टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। प्रत्येक टीम टूर्नामेंट में चार ग्रुप मैच खेलेगी, जिसमें प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें 17 और 18 अक्टूबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और उसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई में फाइनल होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए एक रिजर्व डे तय किया गया है।

वार्म–अप मैचों का शेड्यूलः

28 सितंबर, शनिवार, पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे

28 सितंबर, शनिवार, श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, ICCA1, दुबई, शाम 6 बजे

29 सितंबर, रविवार, न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे

29 सितंबर, रविवार, भारत बनाम वेस्टइंडीज, ICCA2, दुबई, शाम 6 बजे

29 सितंबर, रविवार, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, ICCA1, दुबई, शाम 6 बजे

30 सितंबर, सोमवार, श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे

30 सितंबर, सोमवार, बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान, ICCA2, दुबई, शाम 6 बजे

1 अक्टूबर, मंगलवार, वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया, सेवन्स, दुबई, शाम 6 बजे

1 अक्टूबर, मंगलवार, इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड, ICCA2, दुबई, शाम 6 बजे

1 अक्टूबर, मंगलवार, दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत, ICCA1, दुबई, शाम 6 बजे।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024: यूएई में इस दिन भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान, यहां देखें पूरा शेड्यूल

आईसीसी ने सोमवार को महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का नया शेड्यूल जारी किया है। बांग्लादेश की जगह अब ये टूर्नामेंट यूएई में शिफ्ट कर दिया गया है। दुबई 6 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मुकाबले की मेजबानी करेगा। दुबई में ही 20 अक्टूबर को 18 दिवसीय टूर्नामेंट का फाइनल होगा। वहीं मेजबान शहर शारजाह में 13 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा, ये एकमात्र लीग मैच है जिसे हरमनप्रीत कौर की टीम दुबई से बाहर खेलेगी। शारजाह 18 अक्टूबर को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी भी करेगा। अगर भारत क्वालिफाई करता है, तो वह 17 अक्टूबर को दुबई में पहला सेमीफाइनल खेलेगा।

ग्रुप में कोई बदलाव नहीं

ग्रुप में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 6 बार के चौंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका ग्रुप ए में हैं।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेटर्स के लिए खोला खजाना, जूनियर खिलाड़ियों को भी मिलेगा फायदा

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक घोषणा की है जहां, महिला और जूनियर क्रिकेटर प्रतियोगिताओं में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के पुरस्कार दिए जाएंगे। जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में एक बयान जारी किया। इस दौरान जय शाह ने लिखा कि, हम अपने घरेलू क्रिकेट कार्यक्रमों के तहत सभी महिला और जूनियर क्रिकेट टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि शुरू कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सीनियर पुरुषों के लिए विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच के लिए पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। जय शाह ने आगे लिखा कि, इस पहल का उद्देश्य घरेलू सर्किट में उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचानना और पुरस्कृत करना है। इस प्रयास में उनके अटूट समर्थन के लिए एपेक्स काउंसिल को हार्दिक धन्यवाद।

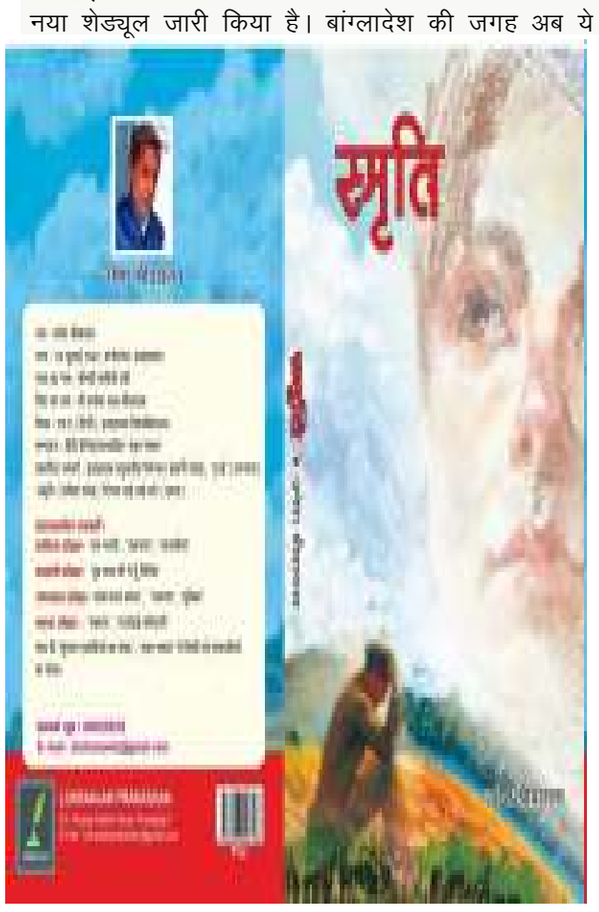

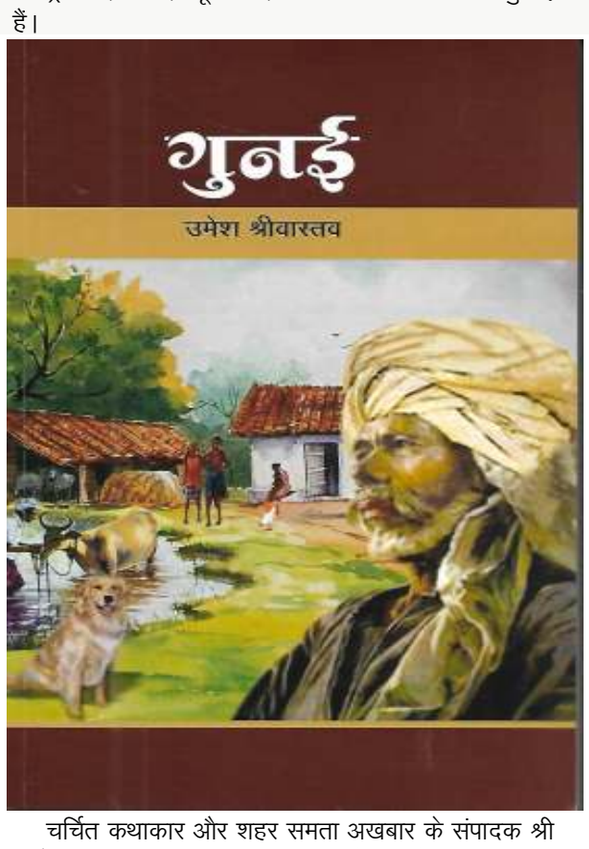

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

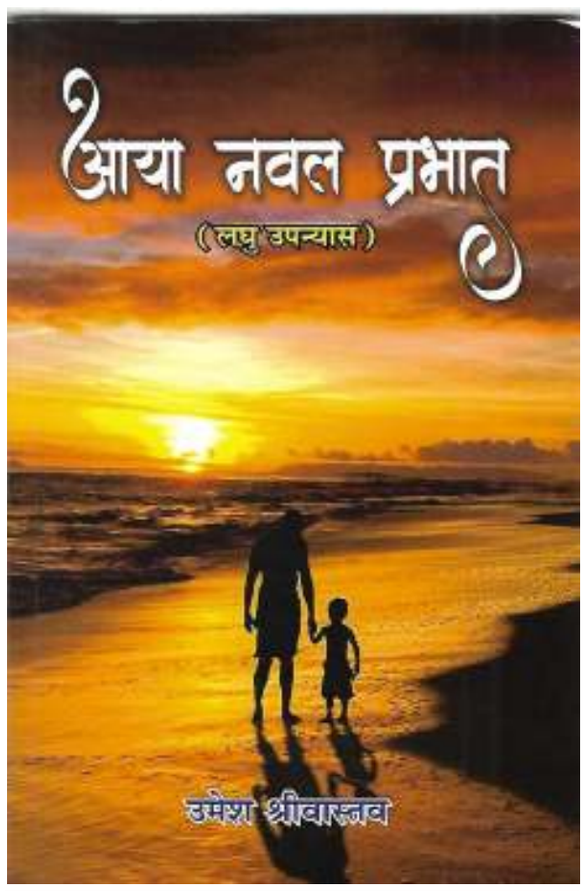

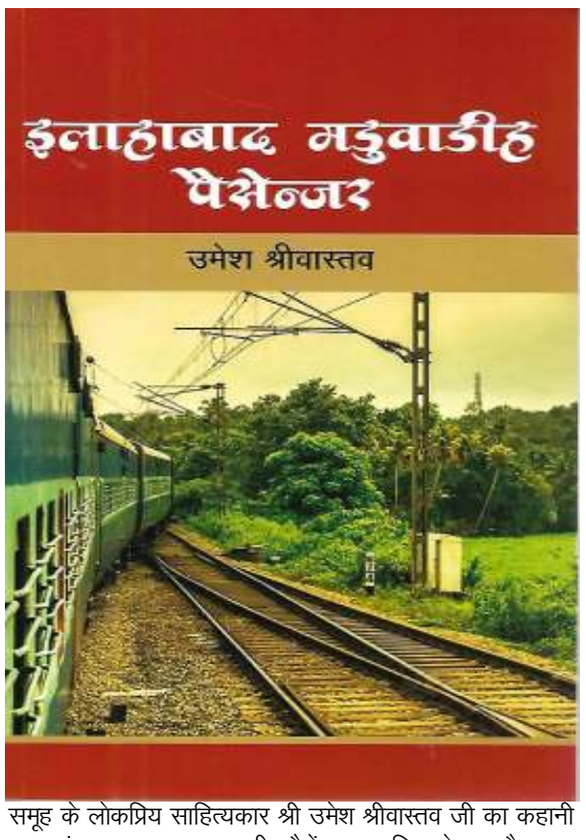

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

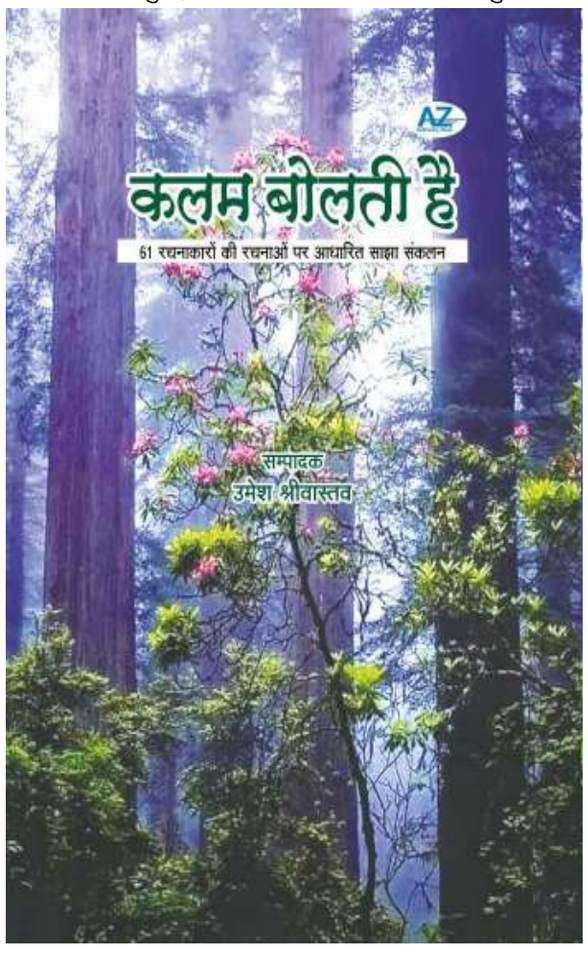

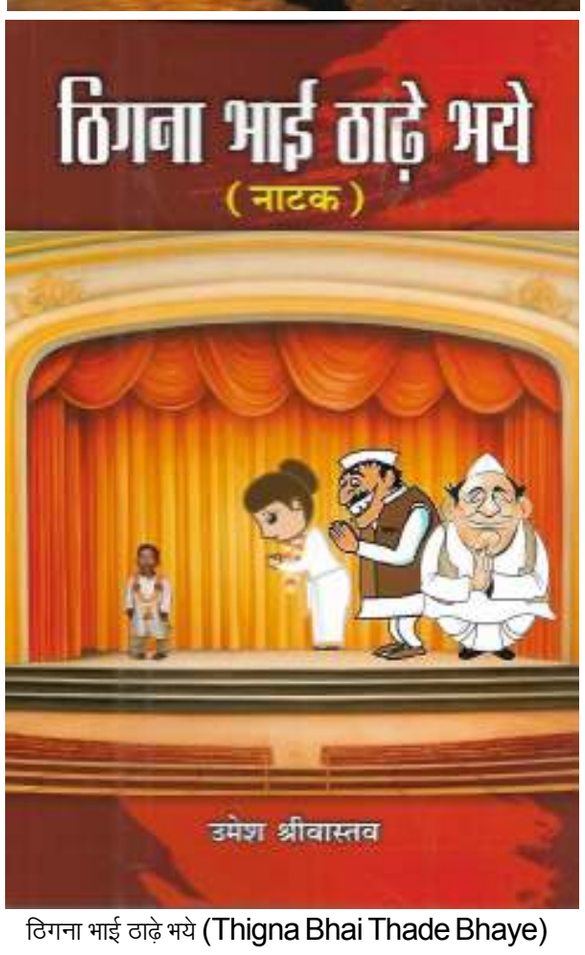

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जन्माष्टमी पर बांग्लादेश से आई ये कैसी तस्वीरें, घरों में डरे-सहमे बैठे थे हिंदू

बांग्लादेशी कट्टरपंथियों ने एक और हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया। 24 अगस्त की रात को पंचगढ़ जिले के सोनाहर गांव के इस मंदिर में मूर्तियां तोड़ दी गईं। इस बार जन्माष्टमी पर बांग्लादेश के हिंदू डरे हुए हैं क्योंकि वे अपने धर्म का ठीक से पालन नहीं कर पा रहे हैं। जन्माष्टमी भी नहीं मना पा रहे हैं। ढाका की हिंदू कॉलोनी जहां हर साल जन्माष्टमी पर जुलूस निकाला जाता था। लेकिन अब पूरी कॉलोनी में सन्नाटा नजर आया, ऐसा नहीं लग रहा कि ये जन्माष्टमी है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद कई दिनों तक हिंसा में अल्पसंख्यक हिंदू आबादी के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया तथा मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। अपनी सरकार के खिलाफ छात्रों के आंदोलन के बाद शेख हसीना पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे कर भारत चली गईं।

इस्कॉन में नहीं मनाई जा रही जन्माष्टमी

इससे इतर भारत बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेश के मेहरपुर जिले में तख्तापलट के बाद जिस इस्कॉन मंदिर में उपद्रवियों ने आग लगाई थी। उस मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव नहीं मनाया जा रहा है। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के आसपास के इलाके और जमात-ए-इस्लामी के गढ़ मेहरपुर में इस्कॉन मंदिर पर हमला किया था था और इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भगवत गीता को जला दिया। मंदिर के पुजारी सम्मोहन मुकुंद दास ने वीडियो जारी कर बताया कि मंदिर में हुई आगजनी और लूटपाट की घटना के बाद इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नहीं मनाई जा रही है।

हिंदू समुदाय के नेताओं संग मोहम्मद यूनुस की मुलाकात

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय के नेताओं से मुलाकात की और जन्माष्टमी के अवसर पर उनके लिए एक स्वागत समारोह आयोजित करते हुए अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प जताया। बैठक के दौरान यूनुस ने कहा कि वह एक ऐसा बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, जहां हर कोई बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके और जहां किसी मंदिर की रखवाली की जरूरत न पड़े।

गैर-सांप्रदायिक समाज के निर्माण में मदद मिलेगी

हिंदू नेताओं के एक समूह से उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी हर नागरिक के अधिकारों को बहाल करना है। हमारा काम हर नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना है। देश की सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी ने यूनुस के हवाले से कहा, हमारे देश में लोगों के बीच कोई विभाजन नहीं हो सकता। हम समान नागरिक हैं। हिंदू नेताओं ने पुराने ढाका स्थित ढाकेश्वरी मंदिर में मुख्य सलाहकार की हाल की टिप्पणियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में गैर-सांप्रदायिक समाज के निर्माण में मदद मिलेगी और समाज में धार्मिक सद्भाव सुनिश्चित होगा।

'मेरी जान को खतरा, अगर मुझे कुछ हुआ तो सेना और आईएसआई जिम्मेदार', जेल में बंद इमरान खान बोले

इस्लामाबाद। जेल में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि उनकी इस हालत के लिए सेना और इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जिम्मेदार हैं। खान ने आशंका जताई कि उनकी जान को खतरा है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान पिछले साल से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने मौजूदा सरकार को आलोचना करने वालों से नफरत करने और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति का दोषी ठहराया। उन्होंने पाकिस्तान की क्रिकेट की स्थिति की भी आलोचना की, जो लगातार हार का सामना कर रही है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर खान ने एक पोस्ट में दावा किया कि चुनावों में धांधली हुई थी। उन्होंने कहा कि केवल सच्चे जनादेश वाली सरकार ही हालत के सुधार की योजना बना सकती है। उन्होंने कहा, आईएसआई जेल में मामलों को नियंत्रित कर रही है। मैं फिर से कहा रहा हूं कि अगर मुझे कुछ हुआ तो सेना प्रमुख और आईएसआई के महानिदेशक (डीजी) जिम्मेदार होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी शहबाज शरीफ सरकार के उस एलान के बाद सामने आई है, जिसमें कहा गया था कि इमरान खान के खिलाफ हिंसा के मामलों की सुनवाई सैन्य अदालत में हो सकती है। पिछले साल नौ मई को खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक प्रदर्शन हुए थे। जिसमें उनके पार्टी कार्यकर्ताओं में कई सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

याह्या सिनवार ने कैसे इजरायल-अमेरिका की नाक में कर रखा है दम, लादेन की तरह चिट्ठियों से भेजता है

फ़िलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने अपने गाजा नेता याह्या सिनवार को अपना नया प्रमुख नामित किया है। सिनवार इज़रायल की तरफ से रडार पर रहने वाले हमास के नेताओं में एक और हाई-प्रोफाइल नाम है। सिनवार इजरायली और अमेरिकी खुफिया सेवाओं के लिए गहन जांच का विषय रहे हैं। सिनवार को इज़रायल पर 7 अक्टूबर के हमलों का सूत्रधार माना जाता है और संघर्ष शुरू होने के बाद से वह गाजा में छिपा हुआ है और इज़रायली द्वारा उसे मारने की कई कोशिशों से बच रहा है। गाजा में संघर्ष की जटिलता और स्वयं सिनवार की चालाकी दोनों को दर्शाती है।

ओसामा बिन लादेन से की जाती तुलना

61 वर्षीय सिनवार, जिनकी तुलना अक्सर ओसामा बिन लादेन से की जाती है, दुनिया के सबसे परिष्कृत खुफिया नेटवर्क में से एक से छिपे रहकर हमास पर नियंत्रण बनाए रखने और सैन्य अभियानों को निर्देशित करने में सक्षम रहे हैं। सिनवार और बिन लादेन के बीच समानताएं हड़ताली हैं, फिर भी सिनवार की स्थिति और भी जटिल है क्योंकि, बिन लादेन के विपरीत, जिसने 9/11 के बाद पता लगाने से बचने पर ध्यान केंद्रित किया था, सिनवार इजरायल के खिलाफ अपने सैन्य अभियान में हमास का सक्रिय रूप से नेतृत्व कर रहा है।

इजरायली कमांडो ने सुरंग में मारा छापा

द न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2024 के अंत में इजरायली कमांडो ने गाजा के खान यूनिस में इस खुफिया जानकारी के आधार पर कि सिनवार वहां छिपा हुआ है, एक सुरंग परिसर पर छापा मारा। था। छापेमारी को हमास नेता को पकड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा गया था, अंततः ये योजना असफल रही। सिनवार ऑपरेशन से कुछ ही दिन पहले भूमिगत बंकर से भाग गया और अपने पीछे केवल दस्तावेज़ और लगभग 1 मिलियन डॉलर शेकेल छोड़ गया था। पाए गए दस्तावेज़ों से उसके वर्तमान स्थान के बारे में बहुत कम जानकारी मिली, और लाखों शेकेल पर्याप्त होते हुए भी, उसकी गतिविधियों के बारे में कोई सुराग नहीं देते थे। इस ऑपरेशन से जुड़ी उच्च आशाओं के बावजूद, यह स्पष्ट था कि सिंवर की तलाश अनुमान से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होगी।

पकड़ से बचने में कैसे कामयाब रहा?

सिनवार की पकड़ से बचने की क्षमता का श्रेय काफी हद तक उसके इलेक्ट्रॉनिक संचार को दिया जाता है। एनवाईटी के अनुसार, अमेरिका और इजरायली खुफिया सेवाओं का मानना घ्है कि वह संदेशों को प्रसारित करने के लिए मानव कोरियर के नेटवर्क पर निर्भर है। बिन लादेन द्वारा इस्तेमाल की गई रणनीति की याद दिलाने वाली इस पद्धति ने खुफिया एजेंसियों के लिए उसके संचार को रोकना या उसका पता लगाना अविश्वसनीय रूप से कठिन बना दिया है। इस कूरियर प्रणाली की सटीक कार्यप्रणाली एक रहस्य बनी हुई है।

गाजा का सुरंग नेटवर्क सिनवार की कैसे कर रहा मदद

वर्तमान संघर्ष के फैलने से पहले, सिनवार गाजा में एक दृश्यमान व्यक्ति थे। अक्सर साक्षात्कारों में दिखाई देते थे और यहां तक घ्कि टेलीविजन पर पुरस्कार भी प्रदान करते थे। हालाँकि, युद्ध शुरू होने के बाद से, वह गाजा के नीचे सुरंगों की भूलभुलैया में पीछे हट गया है, और पहचान से बचने के लिए अपने अभियानों को भूमिगत कर रहा है। एनवाईटी की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली खुफिया अधिकारियों का मानना घ्है कि संघर्ष के शुरुआती हफ्तों के दौरान, सिनवार गाजा सिटी के नीचे सुरंगों में रह रहा था, जो पट्टी का सबसे बड़ा शहर और इजरायली सैन्य बलों का प्राथमिक लक्ष्य था।

बांग्लादेश में कैसे बढ़ती जा रही है भारत विरोधी भांवना ?

पहले बाढ़ को लेकर गलत सूचना अब ढाका में वीजा सेंटर में हंगामा

बांग्लादेश में भारत के खिलाफ रोष लगातार बढ़ता जा रहा है और यह सोमवार (26 अगस्त) को एक बार फिर ढाका के एक वीज़ा केंद्र पर फूट पड़ा जब स्थानीय लोगों ने वीज़ा प्राप्त करने में देरी और कथित उत्पीड़न पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। यह पड़ोसी देश में भारत विरोधी नफरत का एक और उदाहरण है जो अगस्त की शुरुआत में शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद खुलकर सामने आ गया है। इससे पहले, बांग्लादेश के फेनी में स्थानीय लोगों ने बिना किसी चेतावनी के त्रिपुरा में बांध से पानी छोड़ने के लिए भारत के अधिकारियों को दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में विनाशकारी बाढ़ आई।

वीज़ा सेंटर पर लोगों का गुस्सा

26 अगस्त को सैकड़ों बांग्लादेशियों ने सतखिरा स्थित भारतीय वीजा एप्लीकेशन सेंटर पर जमकर हंगामा किया। कतारों में इंतजार करने के बावजूद कई आवेदकों को वीजा नहीं मिलने पर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। वतारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी मजहरुल इस्लाम ने न्यू एज को बताया कि प्रदर्शन सुबह करीब 10:30 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1 बजे तक स्थिति पर काबू पा लिया गया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस के अनुसार, लोग अपने दस्तावेज़ लेने के लिए वीज़ा केंद्र के बाहर कतार में खड़े थे – एक लाइन जो लगभग एक किलोमीटर लंबी थी। हालांकि, जब केंद्र के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि वीजा की प्रक्रिया में देरी हो रही है, तो स्थानीय लोग नाराज हो गए और नारे लगाने लगे। समूह को यह कहते हुए सुना जा सकता है। वीज़ा प्रसंस्करण केंद्र पर यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है जब भारत विरोधी भावना चरम पर है। इससे पहले सप्ताह में बांग्लादेशियों ने भारत पर गुस्सा और रोष व्यक्त किया था जब यह दावा सामने आया था कि पूर्वी बांग्लादेश में बाढ़ की स्थिति त्रिपुरा में गुमती नदी पर एक बांध से पानी छोड़े जाने के कारण है। शांति नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में दो छात्र प्रतिनिधियों में से एक नाहिद इस्लाम ने पत्रकारों से कहा थारू ष्भारत ने बिना किसी चेतावनी के बांध खोलकर अमानवीयता प्रदर्शित की है।

अमेरिका में यीशु मसीह बनाम ह्नुमान जी!! हिंदू मंदिर परिसर में घुसा कट्टर ईसाइयों का समूह, ह्नुमान जी की मूर्ति के खिलाफ विरोध

हाल ही में अमेरिका के टेक्सास में भगवान हनुमान की 90 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' नाम की यह नई प्रतिमा मीलों दूर से दिखाई देती है, क्योंकि यह अब अमेरिका की तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति है। आयोजकों ने कहा कि इस भव्य प्रतिमा का अनावरण "अमेरिका के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में एक नया मील का पत्थर" है। ह्यूस्टन से लगभग 35 किलोमीटर दूर शुगर लैंड में श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में हिंदू देवता भगवान हनुमान की हाल ही में अनावरण की गई 90 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा के खिलाफ स्थानीय चर्च के 25 सदस्यों ने प्रदर्शन किया। चर्च के नेता ग्रेग गेरवाइस ने फेसबुक पर वायरल हुए एक वीडियो में भगवान हनुमान को श्राक्षस देवताश कहा, जबकि उनके अनुयायी मूर्ति के पास इकट्ठा हुए, प्रार्थना कर रहे थे और धर्मांतरण कर रहे थे, जब तक कि मंदिर के एक नेता ने पुलिस को बुलाने की धमकी नहीं दी। ह्यूस्टन क्रॉनिकल ने मंदिर के संयुक्त सचिव डॉ. रंगनाथ कंडाला के हवाले से कहा, ष्शुरू में हमें लगा कि समूह मूर्ति देखने आया है, क्योंकि उन्होंने इंटरनेट या किसी और जगह पर इसके बारे में पढ़ा था। इसलिए, किसी ने उनसे कोई विवाद नहीं किया। हालांकि, थोड़ी देर बाद, समूह ने प्रार्थना करना शुरू कर दिया और मूर्ति के चारों ओर वामावर्त चक्र में घूमना शुरू कर दिया। कंडाला के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने मंदिर में आने वाले लोगों के पास जाकर उनसे आग्रह किया कि यीशु ही एकमात्र सच्चे भगवान हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ष्सभी झूठे भगवान जलकर राख हो जाएं।

मंदिर के सचिव ने कहा कि श्हम सभी भगवान का सम्मान करते हैं

कंडाला ने कहा ष्मैंने उनसे कहा, श्हमारी शिक्षा कहती है कि अपने भगवान की पूजा करो, लेकिन सभी का सम्मान करो। मैं तुम्हारे भगवान और तुम्हारा सम्मान करता हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि तुम हमारा सम्मान करो। कुछ लोगों ने जो महसूस किया कि उनके साथ छेड़छाड़ की जा रही है, उन्होंने जवाब दिया, श्आपको हमारे भगवद गीता और वेदों के बारे में क्या पता है कि आप मुझे उपदेश दे रहे हैं?श सौभाग्य से, कुछ भी बुरा नहीं हुआ। गेरवाइस ने कहा कि उनका समूह शांतिपूर्वक प्रार्थना करने के लिए मंदिर गया था, लेकिन उन्होंने कहा कि यीशु ही एकमात्र सच्चे भगवान हैं।

रूस ने यूक्रेन पर दाग दी 200 मिसाइलें, बाइडेन ने आनन-फानन में मोदी को फोन मिलाया

धूं-धू कर जलती इमारतें, बिना रुके काम करते फायर फाइटर्स, अंडरग्राउंड मेट्रोस्टेशन और बंकरों में बैठे बदहवास लोग। 26 अगस्त को यूक्रेन के 15 से ज्यादा प्रांतों में ये नजारा आम था। दरअसल, रूस ने 200 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोन से यूक्रेन पर हमला किया था। हमले के बाद पूरा यूक्रेन हाई अलर्ट पर है। पूरे शहर में ब्लैक आउट की खबर है। चार लोगों की मौत की पुष्टि है और हताहतों की संख्या में इजाफा हो सकता है। पिछले कुछ महीनों में रूसा का यूक्रेन पर सबसे बड़ा टारगेटेड अटैक है। ये हमला पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे के महज दो दिन बाद हुआ है। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी रूस और यूक्रेन के बीच शांति की पहल कर सकते हैं। रूस के घातक हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और यूक्रेन के लिए उनके शांति के संदेश और चल रहे मानवीय समर्थन के लिए उनकी सराहना की। जो बाइडेन ने एक्स के एक पोस्ट में कहा कि मैंने पोलैंड और यूक्रेन की उनकी हालिया यात्रा पर चर्चा करने के लिए प्रधान मंत्री मोदी से बात की, और यूक्रेन के लिए शांति और चल रहे मानवीय समर्थन के उनके संदेश के लिए उनकी सराहना की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने हिंद-प्रशांत में शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से कहा कि यूक्रेन और रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए एक साथ बैठना चाहिए और भारत शांति बहाल करने में ष्सक्रिय भूमिकाष निभाने के लिए तैयार है।

बाइडेन ने पीएम मोदी के ऐतिहासिक दौरे की सराहना की

मोदी की रूस, पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा और बांग्लादेश में हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी। व्हाइट हाउस ने कॉल के रीडआउट में कहा कि दोनों नेताओं ने मोदी की पोलैंड और यूक्रेन की हालिया यात्रा के साथ-साथ सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति ने पोलैंड और यूक्रेन की उनकी ऐतिहासिक यात्राओं के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की, जो दशकों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की पहली यात्रा थी। बाइडेन और मोदी ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के आधार पर अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपने निरंतर समर्थन की पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने कहा, ष्नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए क्वाड जैसे क्षेत्रीय समूहों सहित मिलकर काम करने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने एक्स अपने पोस्ट में कहा था कि बाइडन से बातचीत में बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाइडन के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने यूक्रेन की स्थिति सहित विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का विस्तृत आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, मैंने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली से जुड़े प्रयासों के लिए भारत का पूर्ण समर्थन दोहराया। मोदी ने यह भी कहा कि उन्होंने और बाइडन ने बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा की और वहां सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली और अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717

कनक हॉस्पिटल
24 घंटे
एम्बुलेंस सुविधा
ICU NICU OT/C-arm
08090876928
08737991021
0532-2971617
511, चेतनपुरी कालोनी, कोहना, झूँसी (निकट क्रिया रोग संस्थान), प्रयागराज (उ.प्र.)

KAMLA HOSPITAL
झूंसी कोहना, निकट शास्त्री ब्रिज, प्रयागराज
डॉ० सुनील विश्वकर्मा
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
24/7
Contact :- 0532-2971619, 8840346602

दाँत का अस्पताल
जे.पी. मेमोरियल डेन्टल क्लीनिक
डा. ए.के. वर्मा
B.D.S, MIDA
(मुख एवं दन्त तेग विशेषज्ञ)
डा. एस.के. वर्मा
(दन्त चिकित्सक)
समय : सुबह 10.00 बजे से रात्रि 9.00 तक
Mob.: 9415831236, 9335524400